सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 220 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 24 मई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

महाकाव्य रामायण के अरण्य-कांड पर होगा आधारित नृत्य नाटिका का विषय

रायपुर। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव 01 जून 03 जून तक रामलीला मैदान, रायगढ़, छत्तीसगढ़ में आयोजित होगा। यह एक प्रकार का प्रतियोगिता वाला कार्यक्रम होगा, इसलिए राज्यों से रामायण 'झांकी प्रदर्शन' समूह के प्रतिनिधि मंडल को आमंत्रित किया गया है। नृत्यनाटिका का विषय महाकाव्य रामायण के अरण्यकाण्ड पर आधारित होगा। छत्तीसगढ़ राज्य धार्मिक व सांस्कृतिक विरासतों से समृद्ध एक ऐसा प्रदेश है, जिसका श्रीराम, माता कौशल्या व उनके जीवन चरित्र पर आधारित महाकाव्य रामायण से बहुत गहरा संबंध है। छत्तीसगढ़ राज्य को श्रीराम की माता कौशल्या की जन्मभूमि होने का विशेष गौरव प्राप्त है। माता कौशल्या का जन्म तत्कालीन दक्षिण कोसल में हुआ था, जो वर्तमान छत्तीसगढ़ में है। माता कौशल्या को उनके उदार भाव, उनके ज्ञान व श्रीराम के प्रति उनके वात्सल्य भाव के लिये जाना जाता है, यही कारण है कि उन्हें मातृत्व भाव के प्रतीक के रूप में कई स्थानों पर पूजा जाता है, परंतु छत्तीसगढ़ राज्य एक मात्र ऐसा प्रदेश है जहां चन्द्रखुरी नामक स्थान पर माता कौशल्या को समर्पित मंदिर स्थापित है।

भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास के लगभग 10 वर्ष अधिकांशत: दण्डकारण्य में व्यतीत किये हैं एवं उक्त सभी स्थानों पर श्रीराम की उपस्थिति से संबंधित बहुत सी कथाएं प्रचलित हैं। मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ प्रदेश के वनक्षेत्र के संदर्भ में ऐसी धारणा है कि श्रीराम ने अपने वनवास अवधि का एक महत्वपूर्ण भाग यहां व्यतीत किया था, इसलिए इस क्षेत्र में श्रीराम को समर्पित बहुत से मंदिर एवं पवित्र स्थल स्थित हैं ।

छत्तीसगढ़ में कोरोना की धीमी हुई रफ्तार, 27 नए मामले आए सामने

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना के आंकड़े में काफी गिरावट दर्ज की गई है। बीते कुछ दिनों से कोरोना की बहुत कम मरीज सामने आ रहे है। छत्तीसगढ़ मे पिछले 24 घंटे में 27 नए कोरोना मामले सामने आए है। वहीं, 1915 सैंपलों की जांच की गई है। इस दौरान औसत पॉजिटिविटी दर 1.41 प्रतिशत रही। सबसे ज्यादा आठ नए मामले दुर्ग से सामने आए हैं, इसके अलावा रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में भी लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। बीते 24 घंटे में प्रदेशभर से 58 मरीज स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज/रिकवर्ड हुए। आज नए मरीज मिलने के बाद प्रदेश में सक्रीय कोरोना संक्रमितों की तादाद घटकर 156 रह गई हैं। जशपुर से 1, बीजापुर से 1, सूरजपुर से 1, बेमेतरा से 1, बिलासपुर से 1, रायपुर से 1, दंतेवाड़ा से 1, सरगुजा से 2, बालोद से 2, कांकेर से 2, बलौदाबाजार से 6, दुर्ग से 8 कोरोना संक्रमित पाए गए तथा शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

नए संसद भवन में रखा जाएगा सेंगोल, अमित शाह बोले अंग्रेजों से सत्ता मिलने का प्रतीक, पर भुला दी गई परंपरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह ने कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में कहा कि नया संसद भवन हमारे इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और सभ्यता को आधुनिकता से जोड़ने का सुंदर प्रयास है। नई संरचना को रिकॉर्ड समय में पूरा करने में 60 हजार श्रम योगियों ने अपना योगदान दिया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन समारोह में उनका सम्मान करेंगे। इस अवसर पर एक एतिहासिक परंपरा पुनर्जीवित हो रही है। 28 मई को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी संसद के नए भवन को देश को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री के दूरदर्शिता का प्रमाण नया संसद भवन है। आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम ने जो लक्ष्य तय किए थे, उनमें से एक लक्ष्य था हमारी एतिहासिक परंपराओं का सम्मान और पुनर्जागरण।

संसद से उपयुक्त स्थान कोई और नहीं

अमित शाह ने कहा कि नए भवन में सेंगोल रखा जाएगा। सेंगोल अंग्रेजों से सत्ता मिलने का प्रतीक है। शाह ने बताया कि सेंगोल जिसे प्राप्त होता है, उससे उम्मीद की जाती है कि न्यायपूर्ण और निष्पक्ष शासन की अपेक्षा की जाती है। सेंगोल की स्थापना के लिए देश का संसद भवन अधिक उपयुक्त स्थान है, ससंद से अधिक उपयुक्त, पवित्र और उचित स्थान कोई नहीं हो सकता। सेंगोल को किसी संग्राहलय में रखना अनुचित है। इसलिए पीएम मोदी जब संसद भवन देश को समर्पित करेंगे तब उन्हें तमिलनाडु से आया सेंगोल प्रदान किया जाएगा।

सेंगोल हमारे इतिहास की पहचान

अमित शाह ने बताया कि एतिहासिक सेंगोल का इस्तेमाल पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी 14 अगस्त 1947 को किया था। अंग्रेजों ने सत्ता भारत को सौंपते हुए सेंगोल का उपयोग किया था। सेंगोल एक तमिल शब्द है, जिसका अर्थ है धन से भरा हुआ। सेंगोल के पीछे युगों पुरानी एक परंपरा जुड़ी हुई है। सेंगोल हमारे इतिहास की पहचान है। पीएम मोदी को जब इसके बारे में पता चला तो इसकी जांच की गई। इसके बाद तय किया गया कि नए संसद के उद्घाटन के दौरान सेंगोल देश के सामने रखा जाएगा। अमित शाह ने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम में सभी विपक्षी नेताओं को बुलाया गया है। हमें संसद के उद्घाटन कार्यक्रम का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

शिलापूजन कर रामलला की मूर्ति का निर्माण कार्य शुरू, 4-5 महीने में हो जाएगा तैयार

अयोध्या (एजेंसी)। रामलला की अचल मूर्ति का निर्माण बुधवार को पूजन अर्चन के साथ शुरू कर दिया गया है। रामसेवकपुरम में बुधवार को शुभ मुहूर्त में वैदिक आचार्यों ने कर्नाटक की श्याम शिला का पूजन अर्चन कर मूर्ति निर्माण का कार्य प्रारंभ किया।

कारसेवकपुरम वेद विद्यालय के प्राचार्य पंडित इंद्र देव मिश्र के आचार्यत्व में वैदिक पंडितों ने सुबह 11:57 बजे विधि-विधान पूर्वक श्याम शिला की पूजा अर्चना की। श्रीराम जन्मभूमि में श्री रामलला की अचल मूर्ति की स्थापना की जानी है। यह मूर्ति 52 इंच की होगी। फाउंडेशन से लेकर मूर्ति की कुल ऊंचाई करीब आठ फीट हो जाएगी। अस्थाई गर्भगृह में वर्तमान में पूजित रामलला सहित चारों भाइयों की मूर्ति को मंदिर में उत्सव मूर्ति के रूप में स्थापित किया जाएगा। जबकि रामलला की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मूर्ति के निर्माण में कर्नाटक के 5 कारीगर लगाए गए हैं। मूर्ति का निर्माण कार्य 4 से 5 महीने में पूरा कर लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी की लोकप्रियता का 'मेगा शो' देख दुनिया हैरान

विदेशी अखबारों ने जमकर की तारीफ

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के मेगा शो ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। आज पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हो रही है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई अखबारों ने भी आज प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में उन्हें पहले पेज पर जगह दी है। द आस्ट्रेलियन और फाइनेंसियल रिव्यू जैसे महत्वपूर्ण आस्ट्रेलियाई अखबारों ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रथम पृष्ठ पर न सिर्फ जगह दी है, बल्कि उनकी लोकप्रियता और जलवे की जबरदस्त तारीफ भी की है। फाइनेंसियल रिव्यू ने लिखा है नमस्ते आस्ट्रेलिया, मोदी रॉक्स रॉक्स सिडनी.. वहीं द आस्ट्रेलियन अखबार ने लिखा है कि बॉस के रूप में मनोरंजन करने के लिए मोदी सेंटर स्टेज पर स्टाइल में हैं। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया व विदेश के अन्य अखबारों ने भी पीएम मोदी की तारीफ की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां मंगलवार को कहा कि आज भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की सबसे मजबूत और सबसे बड़ी नींव 'परस्पर विश्वास व परस्पर सम्मान' है और इसका श्रेय ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हर एक प्रवासी भारतीय और ऑस्ट्रेलिया के नागरिकों को जाता है। मोदी के यहां आने के अवसर पर एक उपनगर का नाम बदलकर 'लिटिल इंडिया' किया गया, जो दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने यहां के कूडोस बैंक एरिना में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोले जाने की भी घोषणा की। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न हिस्सों से आए, करीब 21,000 लोग मौजूद थे। इस दौरान उत्साहित लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे भी लगाए। इस अवसर पर अल्बनीज ने कहा कि मोदी जहां भी जाते हैं उनका 'रॉकस्टार' की तरह स्वागत होता है और जिस प्रकार यह आज हुआ है वैसा महान गायक ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का भी नहीं किया गया।

विश्व अर्थव्यवस्था का चमकता सितारा भारत

मोदी ने भारत को 'वैश्विक भलाई की ताकत' और विश्व अर्थव्यवस्था का 'चमकता सितारा' करार देते हुए कहा, ''जहां भी आपदा आती है, भारत मदद के लिए तैयार खड़ा रहता है। हाल में जब तुर्किये में भूकंप ने तबाही मचाई थी तो भारत ने ऑपरेशन दोस्त के जरिए मदद का हाथ बढ़ाया था।'' उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि पिछले साल आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार अगले पांच साल में दोगुने से अधिक हो जाएगा।'' मोदी ने कहा, ''अब हम एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर काम कर रहे हैं। हम लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण कर रहे हैं।

इश्क में सारी हदें की पार: इतना चढ़ा परवान कि भूल बैठी पति-बच्चे को

शाहबाद/रामपुर (एजेंसी)। कहते हैं इस दुनिया में हर रिश्ते से बढ़कर मां और बच्चों का रिश्ता होता है। मां अपने बच्चों के लिए हर चुनौती और बाधा पार करने से भी पीछे नहीं हटती, क्योंकि मां की ममता होती ही कुछ ऐसी है। लेकिन रामपुर के शाहबाद कस्बे के एक मोहल्ले से इससे ठीक उलट एक मामला सामने आया है। यहां तीन बच्चों की मां का प्यार इतना परवान चढ़ गया कि परिवार को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ गई। मामला कोतवाली तक जा पहुंचा। जहां पर बच्चे भी मां को साथ ले जाने की मिन्नतें करते रहे। कस्बे के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला ने अपने प्यार में सारी हदें पार कर दी और अपने प्रेमी के साथ रफूचक्कर हो रही थी। इसी बीच सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके प्रेमी और महिला को पकड़ लिया और कोतवाली ले आए। बाद में महिला के ससुराल के लोग भी थाने पहुंच गए। महिला को ससुराल के लोग, आसपास के लोग और पुलिस समझाते रहे। इसके बाद भी महिला किसी की बात मानने को तैयार नहीं थी। महिला तो बस अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी हुई थी। हालांकि इसी बीच उस महिला के बच्चे भी पहुंच गए। बच्चे भी अपनी मां से साथ चलने की मिन्नतें करते हुए भी बिलखने लगे। लेकिन महिला किसी की बात को मानने के लिए राजी नहीं थी।

चलती रही महिला को मनाने की कोशिश

काफी देर के बाद परिवार और आसपास के लोगों द्वारा देर शाम तक कोतवाली में महिला को मनाने की कोशिश चलती रही। बाद में परिवार के लोग उस महिला को जैसे-तैसे कोतवाली से तो ले गए। लेकिन महिला अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी हुई थी। इस दौरान जिस किसी ने मामले के बारे में सुना वह हैरान हो गया।

नहीं रहे 'अनुपमा' एक्टर नीतीश पांडे, 51 की उम्र में अभिनेता ने ली अंतिम सांस

मुंबई (एजेंसी)। अनुपमा शो अब घर-घर फेमस हो गया है। दर्शक भी शो के सभी किरदारों को देखना और उन्हें फॉलो करना काफी पसंद करते हैं। अब इस शो में रुपाली गांगुली की दोस्त देविका के पति का किरदार निभाने वाले नीतीश पांडे का निधन हो गया है। यह सुनकर पूरी टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर पसर गई हैं। इस खबर पर कोई भी विश्वास नहीं कर पा रहा है।

बीती रात अनुपमा फेम नीतीश पांडे ने कार्डियक अरेस्ट के कारण दम तोड़ दिया। अभिनेता की उम्र केवल 51 साल थी, लेकिन इस उम्र में भी उन्हें दुनिया को अलविदा कहना पड़ा। नीतीश पांडे लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा थे और उन्हें आए दिन अनुपमा शो में देखा जाता था। अब इस खबर से न केवल परिवार वाले बल्कि फैंस भी शोक में डूब गए हैं। सोशल मीडिया पर भी यह खबर तेजी से वायरल हो रही है।

राइटर सिद्धार्थ नागर ने की खबर की पुष्टि

नीतीश पांडे के मौत की खबर को राइटर सिद्धार्थ नागर ने पुष्टि की है। राइटर ने फेसबुक पोस्ट के जरिए फैंस को इस बात की जानकारी दी है। बाद में सिद्धार्थ ने एक मीडिया हाउस को दिए एक इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि की है। राइटर ने बताया कि नीतीश शूटिंग के लिए इगतपुर गए थे। वहां रात के करीब 1:30 बजे उनको कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद पता लगा कि वह हमारे बीच नहीं रहें।

अभिनय के दम पर पाया सबकुछ

अभिनेता नीतीश पांडे बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का दमखम दिखा चुके हैं। 17 जनवरी 1973 को जन्मे नितीश पांडे ने टीवी की दुनिया में अच्छा नाम कमाया था। यही नहीं, अभिनेता फिल्म 'ओम शांति ओम' में बॉलीवुड के किंग खान के साथ भी काम किया है। अनुपमा शो में भी नीतीश के किरदार को दर्शकों की काफी सराहना मिली थी।

चलबो गोठान का कुछ तो फायदा हुआ

'चलबो गोठान-खोलबो पोल' अभियान अब रंग लाने लगा है। हालांकि यह चुनाव पूर्व की राजनीतिक कवायद है पर इससे सरकार का काम आसान हो गया है। कांग्रेस लंबे अर्से से अपने कार्यकर्ताओं से अपील कर रही है कि वे गोठानों में जाएं और वहां की गतिविधियों पर नजर रखें। जरूरत पड़ने पर सहयोग और मार्गदर्शन देवें। जाहिर है किसी ने भी इसपर कोई ध्यान नहीं दिया। अब भाजपा का दावा है कि प्रतिदिन उसके 10 से 12 हजार कार्यकर्ता गोठानों की मैदानी हकीकत का पता लगा रहे हैं। 4 दिन में 3984 गोठानों तक कार्यकर्ता पहुंचे हैं। भाजपा का दावा है कि 664 गोठान केवल कागजों पर ही चल रहे हैं। इन टीमों का नेतृत्व 422 वरिष्ठ नेता कर रहे हैं। काश! यह पहल दो साल पहले शुरू कर दी जाती तो न केवल गौवंश प्रताड़ना से बच जाता बल्कि बेहतर व्यवस्था से गोठानों की सफलता का प्रतिशत भी बढ़ जाता। बहरहाल, देर आयद - दुरुस्त आयद। छत्तीसगढ़ का यह परम सौभाग्य है कि जिन कार्यों को शासन ने सरकारी अमले के भरोसे छोड़ रखा था, उसमें अब जनप्रतिनिधि दिलचस्पी ले रहे हैं। यदि सभी जनप्रतिनिधि इसी तरह से योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखें तो जनता की गाढ़ी कमाई को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। भ्रष्टाचार को उसके न्यूनतम स्तर पर लाया जा सकता है। पर दिक्कत यह है कि यहां उद्देश्य ही गड़बड़ है। इस अभियान का उद्देश्य गोठानों का संचालन बेहतर बनाना नहीं बल्कि सरकार को बदनाम करना है। भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही दलों का बर्ताव अजीबोगरीब है। चुनाव के पहले दोनों न जाने कौन सा एनर्जी ड्रिंक पी लेते हैं कि उनके युवा-अधेड़-बूढ़े सब के सब चिलचिलाती गर्मी में सड़क पर आ जाते हैं। चुनाव खत्म होते ही सभी जनप्रतिनिधि आंखें मूंद लेते हैं। ऐसा लगता है कि उपविजेता पक्ष छुट्टी पर चला गया है। सत्ता पक्ष की तो बात ही और है। वह इस मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाने की कोशिश में जुट जाता है। सनद रहे कि किसी भी योजना का पैसा जाता जनता की जेब से ही है। फंड केन्द्र सरकार दे या राज्य सरकार, ये पैसे होते जनता के ही हैं। इन पैसों की बर्बादी को आंखें मूंदकर देखते रहना भी एक तरह का अपराध है। भाजपा शासनकाल में गौशाला योजना शुरू की गई थी जिसमें सरकारी जमीन और राशि की ऐसी बंदरबांट हुई कि गायें भूख-प्यास से मरने लगीं। कहां तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होती, उन्हें पद और प्रतिष्ठा देकर उलटे सम्मानित ही किया गया। कांग्रेस की सरकार बनी तो गोठान बनने लगे। गोठानों को ग्रामीण औद्योगिक पार्क का स्वरूप दिया गया। कई स्थानों पर अच्छा काम हुआ। लाभ भी मिला और तारीफभी। पर यह सभी गोठानों की हकीकत नहीं थी। कुछ जगहों पर स्थिति बेहद खराब है। पर इसे योजना का नुक्स नहीं कहा जा सकता। क्रियान्वयन में सबका सहयोग चाहिए होता है।

संपादकीय

मणिपुर की चिंता

मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को भड़की हिंसा और आगजनी के बाद कर्फ्यू लगाने, इंटरनेट सेवाएं रद्द करने और सेना बुलाने की राज्य सरकार की विवशता समझी जा सकती है। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है, पर उपद्रवियों को काबू में करने का यह आखिरी रास्ता है, जिस पर कोई भी सरकार मजबूरी में ही कदम बढ़ाती है। पिछले कई हफ्तों से पूर्वोत्तर का यह सूबा अशांत है और वहां बड़ी संख्या में मैतेई व कुकी समुदाय के लोगों को हिंसा की वजह से अपने ही प्रदेश में दरबदर होना पड़ा है। अनगिनत घरों, उपासना स्थलों के राख होने और करीब 70 लोगों की मृत्यु के ब्योरे हालात की गंभीरता बताने के लिए काफी हैं। विडंबना यह है कि इस सूरते-हाल में जिन लोगों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सामाजिक वैमनस्य व सामुदायिक खटास को मिटाने की कोशिश करेंगे, वही आग में घी डालने की कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार को भड़की हिंसा के लिए एक पूर्व विधायक और उनके कुछ समर्थकों की गिरफ्तारी इसकी तस्दीक करती है। आरोप है कि पूर्व विधायक और उनके समर्थकों ने हथियार के जोर पर समुदाय विशेष के लोगों को अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य किया, जिसके कारण इंफाल में हिंसा नए सिरे से भड़क उठी। यही नहीं, राज्य के कई सत्तारूढ़ विधायकों के सियासी सुर भी उकसाने वाले सुनाई पड़े हैं, जबकि उन्हें इस वक्त ऐसे किसी भी बयान या कदम से खास परहेज बरतना चाहिए, जो राज्य और केंद्र सरकार की शांति-स्थापना की कोशिशों को पलीता लगाते हों। इस वक्त शांति मणिपुर की पहली आवश्यकता है। इसके दो बड़े जातीय समुदायों के दिलों में एक-दूजे के लिए जो कटुता पैदा हुई है, उसे पाटने की हरमुमकिन कोशिश की जानी चाहिए। यह अफसोसनाक है कि जब केंद्र सरकार की राजनीतिक-आर्थिक सक्रियता से पूर्वोत्तर में स्थायी शांति की उम्मीदें जगने लगी थीं और लगने लगा था कि देश की मुख्यधारा से उसका जुड़ाव बढ़ रहा है, तब हिंसा के इस सिलसिले ने नई आशंकाओं और शक-शुब्हे को जन्म दे दिया है। मणिपुर की स्थिति पर इसलिए भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि पूर्वोत्तर के राज्यों का समूचा ताना-बाना एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और इन राज्यों में कई जातीय समूहों के बीच हितों के टकराव का एक लंबा इतिहास है। ऐसे में, यदि मणिपुर के हालात लंबे वक्त तक तनावपूर्ण बने रहे, तो इसकी आंच अन्य सूबों में पहुंच सकती है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को विश्वास बहाली के लिए स्थानीय नेताओं को भरोसे में लेना चाहिए। हमने उपद्रवग्रस्त पंजाब, जम्मू-कश्मीर में यह देखा है कि ऊपर से थोपी गई रणनीति के बजाय स्थानीय कोशिशें ज्यादा प्रभावी साबित हुई थीं। पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार ने पिछले नौ वर्षों में जितनी योजनाएं शुरू की हैं, उन्हें पूरा करने के लिए वहां शांति की दरकार है। फिर पूर्वोत्तर की सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे जिस 'सशस्त्र बल विशेष शक्तियां कानून' को हटाने के मनसूबे बांध रही हैं, यह तभी मुमकिन होगा, जब वहां स्थायी शांति की कोई सूरत नजर आएगी। वैसे भी सरहदी इलाका होने के कारण देश की सुरक्षा के लिहाज से इनमें से कई प्रांत संवेदनशील हैं। इसलिए मणिपुर में जल्द शांति बहाल हो और लोगों की जिंदगी पटरी पर लौटे, इसके लिए बीरेन सिंह सरकार को उपद्रवियों के खिलाफ सख्ती के साथ-साथ पीड़ितों के जख्म पर मरहम रखना होगा।

> मणिपुर की स्थिति पर इसलिए भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि पूर्वोत्तर के राज्यों का समूचा ताना-बाना एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और इन राज्यों में कई जातीय समूहों के बीच हितों के टकराव का एक लंबा इतिहास है। ऐसे में, यदि मणिपुर के हालात लंबे वक्त तक तनावपूर्ण बने रहे, तो इसकी आंच अन्य सूबों में पहुंच सकती है।

न्यायपालिका और सरकार में नहीं कोई मतभेद

केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू को न्यायपालिका से जुबानी जंग की कीमत चुकानी पड़ी। न्यायपालिका और कॉलेजियम सिस्टम पर आक्रामक रुख अख्तियार करने वाले रिजिजू के चलते सरकार भी असहज थी। इससे पहले कोई भी राजनेता या मंत्री न्यायपालिका को लेकर इतना तल्ख नहीं रहा। किरण को फिलहाल पृथ्वी विज्ञान मंत्री बनाया गया है और उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है। कानून मंत्री का पदभार संभालने के बाद मेघवाल का बयान कि न्यायपालिका और सरकार में कोई मतभेद नहीं है, बल्कि दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। संविधान में सबकी अपनी सीमाएं हैं और उसी के हिसाब से काम होता है। अशय साफ है कि सरकार और न्यायपालिका के बीच रिश्तों में कसैलापन था। रिजिजू जिस तरह बिना लाग-लपेट के कॉलेजियम सिस्टम की बखिया उधेड़ते रहे, उससे एक बात तो साफ दूरियां दिखती थी। कभी जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को अंकल जज सिंड्रोम करार देना हो या कुछ जज भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा ऐसे बयानों को कानून मंत्री के तौर पर किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। हां, लम्बित मामलों पर कार्य करने के तौर-तरीकों को बदलने की जगह बेवजह के विवादित बयानों का सहारा लिया जाएगा तो हालात और ज्यादा खराब ही होंगे। इस बात को लगता है सरकार ने समझा, तभी उन्हें इस पद से हटाया भी गया। इस वदलाव में एक खास बात यह रही कि मेघवाल जिस राज्य राजस्थान से आते हैं वहां इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया के नेतृत्व को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में मतभिन्नता रही है। मेघवाल को अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी देकर पार्टी राज्य में एक संदेश दिया है। चूंकि मेघवाल दलित समुदाय से आते हैं तो नि:संदेह राज्य में इस तबके के वोटरों को अपने पक्ष में करने में उन्हें आसानी होगी। बहरहाल, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के आखिरी साल में कुछ महत्त्वपूर्ण विधेयक आ सकते हैं। लिहाजा, ऐसे मंत्री की जरूरत होगी जो सबको साथ मिलाकर चल सके और सरकार के काम को सहजता से पूरा कर सके। मेघवाल इस मामले में सर्वोत्तम चयन हो सकते हैं क्योंकि उनका भारतीय प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर लम्बा अनुभव रहा है। देखना है, इस फेरभदल के बाद न्यायपालिका के साथ सरकार के संबंध कैसे रहते हैं।

गारंटियां ठीक हैं, लेकिन...

विकसित होने की महत्त्वाकांक्षा रखने वाली किसी व्यवस्था में आवश्यकता लोगों को सक्षम बनाने की होती है। भारत में भी आजादी के बाद हुआ यह सीमित प्रयोग सफल रहा था। लेकिन पिछले तीन-चार दशकों में उलटी गंगा बह पड़ी है। कांग्रेस ने अपने चुनावी वायदे के मुताबिक सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में पांच गारंटियां पर अमल की मंजूरी दे दी। यह निर्विवाद है कि इन गारंटियों से समाज एक बड़े तबके- खास कर महिलाओं को ऐसी सहायता मिलेगी, जिसकी इस समय बहुत जरूरत है। ऐसे उपायों को रेवड़ी कहकर उनका मजाक उड़ाना असल में आम जन के प्रति बैठे गहरे पूर्वाग्रहों और अपमान भाव की अभिव्यक्ति है। जिस समय हर सामाजिक सुरक्षा से संबंधित हर सेवा का व्यापारीकरण कर दिया गया है और पूरी अर्थनीति एकाधिकार जमा चुके पूंजीपतियों के हित में ढाल दी गई है, तात्कालिक राहत के तौर पर ऐसे उपायों की जरूरत बढ़ गई है। इसके बावजूद इन उपायों के जरिए राहत पहुंचाने की सोच पर बहस की आवश्यकता है। संसाधन का सवाल अप्रसांगिक नहीं है। यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि अगर जन-कल्याण के लिए कोई सरकार जितने संसाधन बचा या जुटा सकती है, अगर उन्हें फौरी राहत पर ही खर्च कर दिया जाए, तो समाज की जड़ों के निर्माण तथा दीर्घकालिक विसा की बुनियाद को मजबूत करने के कार्यक्रमों के लिए धन कहां से आएगा?

> **आखिर वह 'असाधारण परिस्थिति' थी क्या, जिसके लिए अभी कार्यपालिका को तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत महसूस हुई। हमारी नजर स्वाभाविक तौर पर आठ दिन पहले दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तरफजाती है। ताजा अध्यादेश का मुख्य उद्देश्य अदालती फैसले के प्रभाव को कम करना जान पड़ता है। केंद्र सरकार ने दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट में आने से पहले सेवाओं को नियंत्रित करने और दिल्ली में नौकरशाहों के स्थानांतरण की शक्ति में उसे सर्वोच्चता हासिल थी।**

फिर दिल्ली, अध्यादेश और अदालत

वृंदा भंडारी, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बीते शुक्रवार की देर शाम राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया, जिसने सेवाओं पर दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन लीं। उसके बजाय केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उप-राज्यपाल (एलजी) को दिल्ली सरकार के नौकरशाहों के स्थानांतरण व पोस्टिंग से जुड़े मसलों पर अंतिम फैसला लेने का अधिकार दे दिया गया। नए अध्यादेश में नौकरशाहों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित मुद्दों पर फैसले लेने के लिए एक वैधानिक निकाय 'राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण' का गठन किया गया है, जिसमें तीन सदस्य होंगे- दिल्ली के मुख्यमंत्री, यहां के मुख्य सचिव और प्रधान गृह सचिव। इसका अर्थ यह है कि निर्वाचित मुख्यमंत्री के फैसले को दो वरिष्ठ नौकरशाह, जो निश्चय ही जनता के चुने हुए प्रतिनिधि नहीं होंगे, वीटो या खारिज कर सकते हैं।

यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा 11 मई को सर्वसम्मति से पारित फैसले के मद्देनजर लाया गया है। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने उप-राज्यपाल के बजाय लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई स्थानीय सरकार को दिल्ली की सेवाओं पर नियंत्रण का अधिकार दिया था। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने माना था कि भूमि, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर को छोड़कर जनता द्वारा निर्वाचित दिल्ली सरकार के पास ही नौकरशाहों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के मुद्दे पर अंतिम विधायी और समान विस्तार वाली कार्यकारी शक्ति होनी चाहिए। अदालत के फैसले के पीछे तर्क यह था कि चूंकि सिविल सेवक 'सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं', इसलिए निर्वाचित सरकार इतनी सक्षम होनी चाहिए कि वह अपनी सेवाओं में तैनात नौकरशाहों को नियंत्रित कर सके और उनकी जिम्मेदारी तय कर सके।

जाहिर है, ताजा अध्यादेश से प्रक्रियात्मक, औचित्य और बुनियादी मुद्दों से जुड़े तमाम तरह के सवाल पैदा हो गए हैं। सामान्यत: अध्यादेशों को संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत तब जारी किया जाता है, जब संसद के दोनों सदनों का सत्र न चल रहा हो, और जब राष्ट्रपति को लगता है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, जिसके लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। इस प्रकार, अनुच्छेद 123 बनाने के पीछे 'अति-आवश्यकता' की भावना रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2017 में कृष्ण कुमार सिंह बनाम बिहार सरकार के मामले में एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया था, जिसका उल्लेख यहां उचित होगा। उस फैसले में कहा गया था कि अध्यादेश जारी करने की शक्ति राष्ट्रपति को इसलिए दी गई है, ताकि जब 'अप्रत्याशित हालात बन जाएं और उनसे निपटने के लिए विधायी उपायों की दरकार हो', तब कोई सांविधानिक शून्य की स्थिति न बनने पाए। सात न्यायाधीशों

की पीठ ने कहा था कि अध्यादेश जारी करना एक असाधारण शक्ति है, जिसका मकसद सांविधानिक जरूरतों को पूरा करना है।

आखिर वह 'असाधारण परिस्थिति' थी क्या, जिसके लिए अभी कार्यपालिका को तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत महसूस हुई। हमारी नजर स्वाभाविक तौर पर आठ दिन पहले दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तरफ जाती है। ताजा अध्यादेश का मुख्य उद्देश्य अदालती फैसले के प्रभाव को कम करना जान पड़ता है। केंद्र सरकार ने दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट में आने से पहले सेवाओं को नियंत्रित करने और दिल्ली में नौकरशाहों के स्थानांतरण की शक्ति में उसे सर्वोच्चता हासिल थी। जाहिर है, सर्वसम्मत फैसले में हारने के तुरंत बाद उसने यह अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कमतर करने का प्रयास किया है। अध्यादेश में कहा गया है कि यह इसलिए जारी किया गया है, क्योंकि यह 'व्यापक राष्ट्रीय हित में है कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई केंद्र सरकार के जरिये पूरे देश के लोगों की कुछ भूमिका राष्ट्रीय राजधानी के प्रशासन में हो', और 'अपनी राजधानी पर शासन करने की राष्ट्र की इस लोकतांत्रिका इच्छा' को प्रभावी बनाने के लिए यह कदम उठाया जाता है। इस तरह से केंद्र ने (उप-राज्यपाल के माध्यम से) सेवाओं पर दिल्ली सरकार का अधिकार अपने हाथों में ले लिया।

यह जगजाहिर तथ्य है कि नौकरशाहों के स्थानांतरण और पोस्टिंग का अधिकार सीधे तौर पर शासन की दक्षता व प्रभावशीलता से जुड़ा होता है, क्योंकि ये (गैर-निर्वाचित) नौकरशाह ही होते हैं, जो नीतियों को जमीन पर लागू करने की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसीलिए, अध्यादेश की भाषा ऐसी जान पड़ती है कि केंद्र सब कुछ अपने हाथों में रखने के प्रयास कर रहा है, और लोकतांत्रिक जवाबदेही, प्रतिनिधि सरकार व सहकारी संघवाद के सिद्धांतों को कमतर करना चाहता है।

इस अध्यादेश को जारी करने का समय भी काफी खास है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को अपना फैसला सुनाया था और 19 मई की देर शाम अध्यादेश जारी कर दिया गया, जबकि उसी दिन शीर्ष अदालत छुट्टियों के लिए बंद हो रही थी। इसके साथ ही कुछ अन्य मसले भी इसके साथ नत्थी हैं। मसलन, अदालती फैसले के आधार को हटाकर, जो कि विधायी अधिनियम द्वारा किया जा सकता है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बेअसर करने की कसौटी पर क्या यह अध्यादेश खरा उतरता है, या सीधे-सीधे यह अदालत का विरोध है, जो अस्वीकार्य माना जाता है? अदालत को इस बात पर भी विचार करना होगा कि क्या यह अध्यादेश दिल्ली के शासकीय ढांचे से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 239 (अ)(अ) में संशोधन किए बिना उसके फैसले को निष्प्रभावी बनाता है? सुप्रीम कोर्ट को संघवाद पर इस अध्यादेश के प्रभाव के बारे में भी गौर करना होगा, जो संविधान का एक बुनियादी हिस्सा है।

निस्संदेह, इस बात की पूरी संभावना है कि इस अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती दी जाएगी। जब भी ऐसा किया जाएगा, यह लाजिमी है कि शीर्ष अदालत मामले की सुनवाई तत्काल आधार पर करे और शीघ्रता से इस मसले का निपटारा करे। देरी के कारण होने वाली न्यायिक सुस्ती कहीं इतनी लंबी न खिंच जाए कि यथास्थिति ही बनी रह जाए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

क्या वैज्ञानिकों ने नहीं बताए आइसक्रीम के फायदे

मनु जोसेफ, पत्रकार और उपन्यासकार

अप्रैल में एक कथा सामने आई कि कई सालों से वैज्ञानिकों ने एक आश्चर्यजनक खोज को दबा रखा है। खोज यह है कि आइसक्रीम स्वास्थ्य के लिए अच्छी हो सकती है। द अटलांटिक पत्रिका ने जन-स्वास्थ्य इतिहासकार डेविड मेरिट जॉन्स द्वारा द आइसक्रीम कांसपिरेसी शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। यह कहानी 2018 में शुरू होती है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में एक डॉक्टरेट छात्र के शोध ने उन्हें इस निष्कर्ष पर पहुंचाया कि मधुमेह रोगियों में एक दिन में आधा कप आइसक्रीम खाने से दिल की समस्याओं का जोखिम कम होता है। यह खोज बहुत दिलचस्प लगी, तो वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उन्हें फिर से जांच के लिए कहा। तब भी आइसक्रीम के फायदे सभी कठोर हमलों से बचे रहे।

यह पहली बार नहीं है, जब हार्वर्ड में एक वैज्ञानिक अध्ययन ने आइसक्रीम को स्वास्थ्य लाभ से जोड़ा है, 20 साल पहले, शोधकर्ता मार्क ए परेरा ने 5,000 से अधिक वयस्कों के हृदय पर भोजन के असर का पता लगाने के लिए आंकड़ों का अध्ययन किया था। कम वसा वाले डेयरी उत्पाद की

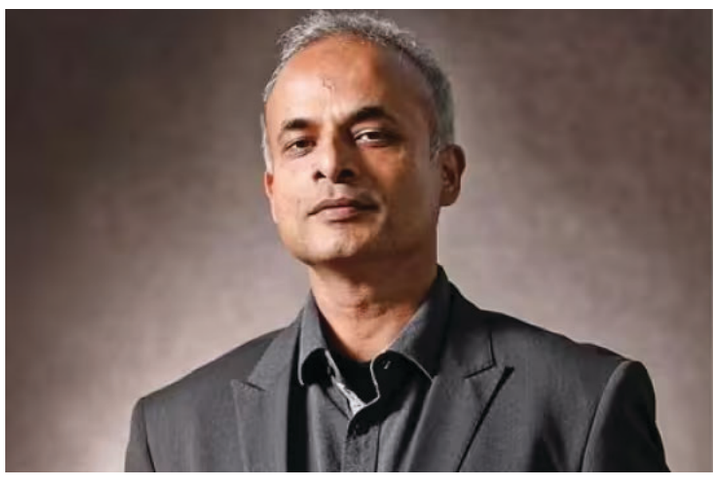

बात करें, तो स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ा था। तब कम वसा वाले डेयरी उत्पाद में मुख्य रूप से आइसक्रीम शामिल थी, जिसका लाभकारी प्रभाव दिखा था। आइसक्रीम से अधिक वजन वाले लोगों के प्री-डायबिटिक होने की आशंका को कम होते पाया गया था।

द अटलांटिक में प्रकाशित रिपोर्ट के बाद, 'क्या आइसक्रीम स्वास्थकर हो सकती है?' शीर्षक से रिपोर्टों की बाढ़ आ गई। पत्रकारिता में अगर आप किसी शीर्षक में प्रश्नवाचक चिह्न देखते हैं, तो इसका नतीजा निकालते हैं कि लेखक को उत्तर पता नहीं है। बाद में प्रकाशित रिपोर्टों में एक अनकही उम्मीद का उत्साह था कि आइसक्रीम न केवल ठीक खाद्य पदार्थ है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है, अगर इसको रोज कम मात्रा में खाया जाए। हालांकि, तब वैज्ञानिक समुदाय इसे सच मानने को तैयार नहीं था। वास्तव में, द अटलांटिक की रिपोर्ट का मुख्य संदेश यह नहीं था कि आइसक्रीम फायदेमंद हो सकती है, बल्कि यह था कि आइसक्रीम पोषण वैज्ञानिकों की नजर में अलोकप्रिय थी। यदि कोई अन्य खाद्य पदार्थ होता, जिसमें चीनी की मात्रा नहीं होती, तो उसे लोकप्रिय ढंग से स्वीकार कर लिया जाता, पर आइसक्रीम को स्वीकार नहीं किया गया। पोषण विशेषज्ञों और मीडिया ने भी एक जिम्मेदारी की भावना के तहत इस तथ्य को दबा दिया।

जॉन्स ने 2014 में एक अध्ययन का उल्लेख किया था कि दही का अधिक सेवन टाइप-2 मधुमेह के जोखिम को कम करता है, जबकि डेयरी के अन्य उत्पाद ऐसा नहीं करते। दही को खाद्य पदार्थों में महानायक माना जाता है और उसके लिए होने वाली अच्छी-अच्छी बातों पर कोई सवाल नहीं खड़े करता है। यह सच नहीं था कि अध्ययन में कोई अन्य ऐसा डेयरी उत्पाद नहीं मिला, जो मधुमेह के जोखिम को कम करता हो। जांच में पाया गया कि यही काम आइसक्रीम ने भी किया। वास्तव में, आइसक्रीम का अच्छा प्रभाव दही की तुलना में अधिक अनुकूल था। फिर भी, ज्यादातर वैज्ञानिकों ने यही सोचा कि वे कैसे आइसक्रीम के लाभ का खंडन कर सकते हैं। आखिर सच क्या है? जॉन्स इशारा करते हैं, ब्राउन राइस की तुलना में भी आइसक्रीम ज्यादा लाभकारी है। इसमें विटामिन और प्रोटीन भी होता है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत नहीं है, पर तब क्या हो, अगर लोगों को आइसक्रीम को मुख्य भोजन बनाने के लिए प्रेरित किया जाए? एक यू-ट्यूबर ने यही किया और उसका वजन घट गया, पर उसे आइसक्रीम से नफरत भी होने लगी।

फिलहाल, मैं उन वैज्ञानिकों के पक्ष में हूं, जो यह स्वीकार करने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहते हैं कि आइसक्रीम हमारी सोच से कहीं ज्यादा स्वास्थ्यवर्द्धक है। हो सकता है कि जो लोग आइसक्रीम नहीं खाते, वे कुछ अन्य खराब चीजें खाते हैं। यह भी एक तथ्य ही है कि खाने के लिए आधुनिक दुनिया ने बेकार की चीजें भी बहुत बनाई हैं। आइसक्रीम संबंधी साजिश का सबसे दिलचस्प रहस्योद्घाटन यह है कि विज्ञान में भी ऐसे चौकीदार हैं, जो यह तय करते हैं कि किसे सिद्ध तथ्य के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए और किसे गलत संकेत के रूप में बदनाम किया जाना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सत्ता जनविरोधी और बुद्धीनाशी

हरिशंकर व्यास

व्यंग में वैसे लिखना चाहिए कि अच्छा है जो प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और रेल मंत्री सब संघ-भाजपा के वोट आधार पर खुद कुल्हाडी चला रहे है। आखिर उत्तर भारत के बनिए और व्यापारी ही तो संघ-भाजपा के पुराने पक्के वोट है। सो बहुत अच्छा जो उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान के शहर-कस्बों के व्यापारियों-कारोबारियों पर जीएसटी के इंस्पेक्टर राज के छापे पड रहे है। गूगल पर यदि जीएसटी छापे के जुमले से सर्च की जाए तो प्रदेशों के छोटे-छोटे कस्बों मे इंस्पेक्टर राज का कहर बरपता लगेगा।

गौर करे इन सुर्खियों पर- जीएसटी के राजस्थान, मध्यप्रदेश में छापे। आर्थिक राजधानी इंदौर में बड़ा जीएसटी फ्रॉडञ्. मप्रमें 42 स्थानों पर जीएसटीका सर्वे, बुरहानपुर में कटनी में कोल किंग के ठिकानों पर छापाञ् पान मसाला कारोबारियों के ठिकानों पर छापा, हड़कंप, बालाघाट के एक व्यवसायी से 55 लाख की वसूलीञ् किशनगढ़ में डीजीजीआईका छापाञ् जीएसटी का 'ऑपेरशन धमाका', पटाखा रतलाम में 5 जगहों पर छापाञ्मध्य प्रदेश में जीएसटी इंटेलिजेंस ने पकड़ी टैक्स चोरी ञ् कॉलोनी डेवलपर के दफ्तर पर जीएसटी का छापा, यूपी में शहर-शहर जीएसटीके छापे, शटर बंद कर भाग रहे व्यापारीञ्यूपी के कई जिलों में जीएसटी विभाग की टीमें छापा मार कार्रवाई कर रही हैंञ् शामली बाजार पर जीएसटी कमिश्नर की छापेमारी, नाराज व्यापारियों, सीमेंट कंपनी के ठिकानों पर छापे, लखनऊ-सभी व्यापारियों के यहां नहीं पड़ेगा जीएसटी का छापा, जानें किसकी होगी जांचञ् जबलपुर में जीएसटी का छापा, गुटखा व्यवसायी के ठिकानों पर छापा, अज़मेर के पड़ाव में जीएसटी टीम ने गुटखा व्यापारी के ठिकानों पर मुजफ्फरपुर रामदूत रोलिंग मिल में जीएसटी का छापा, नोएडा स्टेट जीएसटी की छापेमारी में छत्तीसगढ़ में कई कंपनियों पर छापेमारी, कोरबा और भाटापारा, नाइट क्लब और शराब दुकानों में मारा छापा, किशनगढ़ बास में मोबाइल की दुकान पर जीएसटी टीम का छापा, कासगंज में व्यापारियों ने छापेमारी का किया विरोध, व्यापारी से ही जीसटी इकठ्ठा होती है और उसी को नाजायज परेशान किया जाता है। आंदोलन की दी चेतावनीञ्लखनऊ व्यापार मण्डल की कोर कमेटी की बैठक में 16 मई से शुरू होने वाले जीएसटी के विशेष अभियान की चर्चा हुई ञ्जीएसटी का सर्वे डोर टू डोर सलेमपुर के व्यापारियों ने किया प्रदर्शन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने चेताया, व्यापारियों को परेशान करने वाले अफसर दंडित होंगे।

जाहिर है छोटे-छोटे कस्बों तक में मोदी सरकार का इंस्पेक्टर राज पहुंचवा हुआ है। नोटबंदी के बाद व्यापारी-कारोबारियों (अदानी-अंबानी जैसों के छोड़े) का धंधा वैसे ही अधमरा था। अब लगता है सरकार ने ईडी, सीबीआई, आयकर की छापेमारी के माइक्रों अनुभव में जीएसटी को शहर-कस्बों में वैसे ही पहुंचा दिया है जैसे कभी सेल्स टैक्स वालों का इस्पेक्टर राज था।

उस नाते हिसाब लगाए कि मोदी सरकार में नोटबंदी के बाद से व्यापारियों पर कितनी तरह के जुल्म हुए है? वे कितनी तरह की परेशानियों से गुजरो है? ठिक यही स्थिति किसानों की है। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि हाल की गेंहू फसल में मौसम गडबडी से किसानों को कैसा जबरदस्त नुकसान हुआ है? न ही गांवों में पहले की तरह मनरेगा में काम मिल रहा है। व्यापारी-किसान के बाद शहर-कस्बों के मध्यवर्ग पर सोचे तो महंगाई, बेरोजगारी की बेहाली और बेरोजगार लड़के-लडकियों की मानसिक दशा अकल्पनीय।

मैं इस सबके लिए अकेले मोदी सरकार व भाजपा-संघ को ही दोषी नहीं मानता हूं। मोदी सरकार के साथ विपक्षी पार्टियों की सरकारों ने भी तो जीएसटी के उस ताने-बाने को मंजूरी दी थी जो अफसरों ने इंस्पेक्टर राज के अनुकूल कानून-नियमों से बनवाया। हालांकि तथ्य यह भी है कि नरेंद्र मोदी ने इंस्पेक्टर राज खत्म करने और सबकुछ डिजिटल व पारदर्शी होने की घोषणाएं की थी! सिस्टम ऐसा की इंस्पेक्टर राज संभव नहीं। मगर आज पूरे देश में क्या होता हुआ है?

ताजा एक और उदाहरण। भारत में नरसिंहराव सरकार से पहले नकदी से दो नंबर में विदेशी करेंसी खरीद कर, हवाला लेन-देन से विदेश में भुगतान हुआ करता था। वह काली व्यवस्था वापिस लौटती लगती है। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि बैंक खातों से जुड़े क्रेडिट कार्ड से विदेश में यदि कोई भारतीय बड़ा भुगतान करेगा तो उस पेमेंट पर सरकार बीस प्रतिशत टैक्स आटोमेटिक जमा कर लेगी। फिर इनकम टैक्स रिटर्न आदि की प्रक्रिया। सोचे, क्या इससे मध्य-उच्च वर्गीय प्रोफेशनल या कारोबारी या मंहगी विदेश यात्रा करने वालों के दिल-दिमाग में टैक्स आंतकवाद का खौफ नहीं बनेगा। सोचे, कार्डहोल्डर का अपने खाते से पेमेंट ावह खाता जिसमें टैक्स दे कर उसकी सच्ची बचत, सच्ची इनकम जमा है और उसे वह विदेश में क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करता है तो उसके वापिस जबरदस्ती टैक्स वसूलने की चालबाजी क्या व्यवस्था का नागरिक से धोखा व छल नहीं है? इस छल के लिए नरेंद्र मोदी व निर्मला सीतारमण का दिमाग जिम्मेवार या जनता को टैक्स टेरर से लूटने वाली अफसशाही का आईडिया? एक और उदाहरण। जिस दिन कोलकत्ता-पुरी की वंदे मातरम ट्रेन चालू हुई उसी दिन खबर देखने को मिली कि कोविड़ काल में रेल मंत्रालय ने आम यात्री भाड़े की रेट को10 रू प्रति किलोमीटर से बढ़ा कर30 रूपए किया था उसे वापिस दस रू करने के लिए ममता बनर्जी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा। ईस्टर्न रेलवे पैसेंजर एसोशिएशन की मांग के हवाले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रेल मंत्री से अपील की कि रेलवे के हावडा डिविजन ने कोविड़ के बहाने जो रेट बढ़ाई थीउसे कम किया जाएं। इलाके में लोग गरीब है। वे रोजीरोटी के लिए लोकल ट्रेन से रोजाना सफर करते है।

सोचे, ऐसा कैसे जो लोकल ट्रैन के बेहद गरीब यात्रियों से भी कोविड काल में बढ़ाया गया भाड़ा लगातार वसूला जाता हुआ। एक तरफ हाईफाई वंदे मातरम ट्रेन का महा महंगा टिकट तो दूसरी और डेली मजूदर पैसेंजरों से भी भारी वसूली! ऐसा पूरे भारत में आवाजाही के हर साधन पर लागू है। छोटे हवाई सर्किट के टिकट तीस-तीस हजार में बिक रहे है तो एक्सप्रेस वे, हाईवे पर कार का एकतरफा सफर 800-1000-1200 रू का टोल बिल बनवाता है।

सो पहली बात, आम आदमी-व्यापरी-किसान को ध्यान में रखकर काम नहीं, दिखावा और रेवडियां है। दूसरी बात सत्ता का पूरा तंत्र, उसकी अफसरशाही वापिस चोर दरवाजे सरकार की रेवेन्यू के नाम पर समाजवादी दिनों का आंतक-खौफ बनवा दे रही है। छोटे-छोटे जिलों-कस्बों में इंस्पेक्टर राज घर-घर पहुंचता हुआ है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने बच्चों को स्वर्ण प्राशन

रायपुर। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। चिकित्सालय के कौमारभृत्य बाल रोग विभाग में सवेरे नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक इसका सेवन कराया जाता है। यह औषधि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, श्वसन संबंधी एवं अन्य रोगों से रक्षा करने के साथ ही एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में भी मदद करता है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष की आगामी पुष्य नक्षत्र तिथियों 24 मई, 20 जून, 18 जुलाई, 14 अगस्त, 10 सितम्बर, 7 अक्टूबर, 4 नवम्बर, 1 दिसम्बर और 29 दिसम्बर को बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा।

समर कैम्प का हुआ समापन

राजनांदगांव। जिले भर में शासकीय स्कूलों में समर कैम्प में खुशी एवं उत्साह का माहौल रहा। 8 मई से 22 मई तक आयोजित समर कैम्प का समापन हुआ। समर कैम्प में लगभग 15 हजार 400 बच्चे विभिन्न गतिविधियों में शामिल हुए। कलेक्टर डोमन सिंह की अनूठी पहल पर जिले भर में बच्चों के साथ ही अभिभावकों, शिक्षक एवं जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी-कर्मचारी सभी स्वच्छा से जुड़े रहे। कलेक्टर सिंह की सोच के अनुरूप बच्चों को कुछ नया सीखने के लिए आयोजित समर कैम्प में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। किसी ने चित्रकारी सीखी तो किसी ने पेंटिंग व क्ले आर्ट। किसी ने गीत-संगीत, नृत्य, मेहंदी सीखी। गणित की गतिविधियों के साथ ही विविध खेल गतिविधियों में शामिल हुए। इसी कड़ी में कलेक्टर सिंह आज रेंगाकठेरा में आयोजित समर कैम्प में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर को बच्चों ने गीत गाकर सुनाया। उन्होंने कहा कि समर कैम्प बच्चों के माध्यम से बच्चों में निहित प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इससे उनमें झिझक की भावना दूर हो रही है और वे अपने मनपसंद गतिविधियों को सीख रहे हैं। ऐसी गतिविधियों से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने बच्चों को अच्छा सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने स्नेहपूर्वक बच्ची झरना साहू से हाथ में मेहंदी लगवाई और बच्चों से समर कैम्प में संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने ग्रामीण परिवेश के अनुरूप बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित कुमार ने लिटिया, नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने नंदई, एसडीएम राजनांदगांव अरूण वर्मा ने भेड़ीकला,सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव गुप्तेश्वरी रावटे ने इंदामरा के पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शालाओं में आयोजित समर कैम्प का निरीक्षण किया।

हमारी योजनाओं से आया परिवर्तन

अब वनांचल के लोग वनकर्मियों को दुश्मन नहीं बल्कि दोस्त मानते हैं : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने मृदा एवं जल संरक्षण विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार शाम रायपुर में मृदा एवं जल संरक्षण विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है लेकिन सभी के साथ जंगल में रहने वाली लोगों की चिंता भी जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि भू-जल स्तर पर्याप्त होना चाहिए। हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में नरवा योजना के अंतर्गत जल संरक्षण और जल संवर्धन के लिए वनांचल में 1 करोड़ 19 लाख संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

उन्होंने बताया कि भ्रमण के दौरान वे जहां भी गए सभी से इस योजना के संबंध में जानकारी ली, तो सभी का एक ही जवाब मिला नरवा योजना अच्छी है। हर जगह आदिवासियों ने नरवा योजना को सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गांव के लोग और वनसंरक्षकों की दोस्ती हो गई है। आदिवासी और वनांचल में रहने वाले लोग वन विभाग को अपना दुश्मन नहीं मानते। वन विभाग के अधिकारी जंगल जाते है तो लगता है, हमारे लिए कोई नई योजना आयी है, छत्तीसगढ़ में यह परिवर्तन आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगल में ऐसे वृक्ष लगाएं जो वनांचल में रहने वालों के लिए लाभदायक हो। जंगल में फ्ल देने वाले वृक्ष जरूर लगाने चाहिए। इसके साथ ही इनकी बिक्री की व्यवस्था भी होनी चाहिए। वन विभाग सिर्फ जंगल का अभिभावक नहीं बल्कि वहां रहने वाले लोगों का भी अभिभावक है।

ऐसे आपसी संबंध विकसित करने में हम सफ्ल रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्लदार वृक्षों को बढ़ावा देने से आमदनी बढ़ेगी, हरियाली रहेगी और जंगल भी बचे रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के समय ऑक्सीजन के महत्व का पता चला। छत्तीसगढ़ से देश के कई इलाको में ऑक्सीजन पहुंचायी गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 67 प्रकार के लघु वनोपजों की खरीदी हो रही है। जिससे लघु वनोपज संग्राहकों को लाभ अर्जित हो रहा है।

भारत सरकार में वन एवं पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव एवं महानिदेशक श्री चन्द्रप्रकाश गोयल ने मृदा एवं जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि अन्य राज्यों की अपेक्षा छत्तीसगढ़ में भूमि एवं जल संरक्षण में बेहतर कार्य हो रहा है। कार्यशाला में देश भर के वानिकी विशेषज्ञ शामिल हुए और छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित एवं सवंर्धित करने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर, संसदीय सचिव शिशुपाल सिंह सोरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव एवं महानिदेशक हैं चंद्र प्रकाश गोयल, राष्ट्रीय कैम्पा के सीईओ सुभाष सिंह, वन विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, पीसीसीएफ वी. श्रीनिवास राव, सहित देश भर से आए वानिकी विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बहराराई बिलासपुर में संचालित प्रथम आवासीय अकादमी को मिली बड़ी उपलब्धि

आवासीय हॉकी अकादमी बिलासपुर की खिलाड़ी गीता यादव का 'खेलो इण्डिया वार्षिक स्कॉलरशिप' में चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बी. आर. यादव. राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी से हॉकी खिलाड़ी कुमारी गीता यादव का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण की 'खेलो इण्डिया वार्षिक स्कॉलरशिप' के लिए किया गया है।

कुमारी गीता यादव को स्कॉलरशिप के तहत प्रतिवर्ष 6 लाख 20 हजार रूपये दिए जायेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गीता यादव को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा की उनकी यह उपलब्धि बाकी खिलाड़ियो को प्रेरणा देगी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल ने गीता को बधाई दी और कहा की राज्य सरकार खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न खेल अकादमियों का निर्माण कर रही है। ताकी यहां से खिलाड़ी प्रशिक्षण पाकर देश का नाम रोशन करें।

खेलो इण्डिया नई दिल्ली द्वारा 16 से 20 मई 2023 तक एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया था। राजनांदगांव में आयोजित वेस्ट जोन जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से नेशनल टीम की सदस्य रही कुमारी गीता यादव ने शानदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के आधार पर हॉकी की प्रशिक्षणार्थी खिलाड़ी कु. गीता यादव का चयन खेलो इंडिया स्कॉलरशिप के लिए किया गया। बहतराई बिलासपुर में हॉकी, तीरंदाजी एवं एथलेटिक्स की आवासीय अकादमी संचालित हैं। यहां पर आधुनिक प्रशिक्षण एवं बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक्सीलेंस सेंटर की मान्यता दी गई है। इस अकादमी में 95 खिलाड़ी प्रशिक्षणरत हैं। जिसमें हॉकी में 57, तीरंदाजी में 12 एवं एथलेटिक्स में 26 खिलाड़ी शामिल हैं। कुमारी गीता यादव की इस उपलब्धि पर खेल सचिव श्री नीलम नामदेव एक्का, खेल संचालक श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, बिलासपुर अकादमी के हेड कोच श्री विकास पॉल, हेड परफॉर्मेंस मैनेजर सहित सभी अधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बादल अकादमी में चलाया गया स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। आसना स्थित बादल अकादमी में सोमवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कलेक्टर श्री विजय दयाराम के की अगुवाई में विभिन्न जनजातीय समुदायों के समाज प्रमुखों व सदस्यों के द्वारा बादल अकादमी के परिसर में स्वच्छता अभियान किया गया।

परिसर के स्वच्छता अभियान को लेकर समाज प्रमुखों और सदस्यों के साथ ही अकादमी के कर्मचारी सुबह से ही उत्साह के साथ जुटे और परिसर में उगे झाड़ियों और खरपतवारों की सफाई की। यहां सफाई के बाद इकट्ठा किए गए झाड़ियों और खरपतवारों से खाद तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही इस परिसर में नियमित स्वच्छता अभियान चलाने की मंशा भी सभी ने जताई। उल्लेखनीय है कि शनिवार को कलेक्टर विजय दयाराम के द्वारा विभिन्न समाजों के प्रमुख और सदस्यों के साथ यहां संचालित गतिविधियों को तेज करने के संबंध में चर्चा की गई थी और उन्होंने इस अकादमी को यहां के जनजातीय समाजों की धरोहर बताते हुए यहां की गतिविधियों को तेज करने का आग्रह किया गया था। कलेक्टर ने परिसर में लगाए आम और अनार के पौधे परिसर की साफ सफाई के बाद यहां कलेक्टर श्री विजय द्वारा आम और अनार के पौधे भी लगाए गए।

श्रम विभाग असंगठित क्षेत्र के लोगों को विभागीय योजनाओं से करें लाभान्वित - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। शासन द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए विभिन्न लाभकारी योजना संचालित हो रही है, जिसका लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को प्रदान करना सुनिश्चित करें। श्रम विभाग में इतनी महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित है, जिससे श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृति के माध्यम से अतिरिक्त राशि मिलने से शिक्षा के माध्यम से उनका जीवन संवर सकता है।

उक्त बातें कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिला व्यापार उद्योग, श्रम, औद्योगिक, रेशम, हथकरघा, हस्त शिल्प, खादी ग्रामोद्योग, योजना एवं सांख्यिकी तथा कौशल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में श्रम विभाग को कही। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने श्रम विभाग के कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मिनी माता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मेघावी छात्र-छात्रा योजना, मुख्यमंत्री नोनी शक्तिकरण सहायता योजना तथा विश्वकर्मा दुर्घटना मृत्यु पर अंत्येष्टि सहायता एवं अनुग्रह राशि भुगतान योजना जैसे विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि श्रमिकों, गर्भवती महिलाए बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसका आमजन को अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने सभी रीपा गोठानों में काम करने वाले श्रमिकों का पंजीयन करने शिविर लगाने के निर्देश दिया। कलेक्टर श्री सिन्हा ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद सीईओ के माध्यम से समन्वय कर ब्लॉकवार शिविर लगाए, श्रमिकों का पंजीयन, लाभ एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने निगम सफाई कामगार योजना अंतर्गत सफाई कामगारों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग, श्रम एवं नरेगा जैसे योजनाओं से लाभ प्रदान करें। उन्होंने विभागीय अधिकारी को जनचौपाल के लंबित आवेदनों का अतिशीघ्र निराकरण के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने इस दौरान जिला व्यापार उद्योग के कार्यों की समीक्षा की। महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केन्द्र श्री शिव कुमार राठौर ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत अभी तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई है, परंतु विभाग द्वारा 27 प्रकरण बना के भेजा गया, जिसमें बैंक के माध्यम से 12 प्रकरण स्वीकृत हो चुके है। इसी प्रकार उद्योगों की स्थापना के तहत जिले में सूक्ष्म, लघु, वृहद मिला कर कुल 12 उद्योग स्थापित किए गए है, जिससे 217 लोगों को रोजगार मिला है। इसी प्रकार कलेक्टर श्री सिन्हा ने खादी, औद्योगिक सुरक्षा, रेशम हस्त शिल्प की समीक्षा करते हुए जानकारी ली। हस्त शिल्प के विभागीय अधिकारी ने बताया कि तरडा में बेल मेटल, कोसमनारा में बांस तथा सुपा में ट्रेनिंग प्रस्तावित है। इसके विक्रय हेतु प्रदर्शनी एवं सी-मार्ट में भेजा जाएगा। रेशम विभाग द्वारा बताया गया कि वृक्षा रोपण में अर्जुन के पौधे रोपे जायेंगे। कलेक्टर श्री सिन्हा ने खादी ग्रामोद्योग को संबलपुरी गोठान का निरीक्षण कर विभागीय योजना के लाभ प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर श्री सिन्हा ने योजना एवं सांख्यिकी विभाग को विधायक, सांसद से प्रस्ताव लेकर राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

जन-चौपाल कार्यक्रम में 68 आवेदन हुए प्राप्त

राजनांदगांव। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकगणों ने जन-चौपाल में अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित जन-चौपाल कार्यक्रम में अधिकारियों ने नागरिकगणों की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वक सुनने के साथ ही शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया है। जन-चौपाल कार्यक्रम में आज 68 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों को ऑनलाइन पंजीयन करने के साथ ही संबंधित विभाग में भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। जन-चौपाल कार्यक्रम में आज ग्राम रेंगाडबरी के इंदल सिंह ने अपनी बीज भूमि का वन अधिकार पट्टा प्रदाय करने संबंधी आवेदन प्रेषित किया है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

खाद्य मंत्री भगत की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद् की बैठक 26 मई को

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद् की प्रथम बैठक 26 मई को दोपहर 12 बजे मंत्रालय, महानदी भवन स्थित समिति कक्ष एस-2-12 में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित विभागीय सचिव, प्रबंध संचालक राज्य विद्युत कम्पनी, सदस्य छत्तीसगढ़ भारतीय बीमा विनियामक प्राधिकरण, प्रबंधक लीड बैंक, दूरसंचार विभाग के निदेशक, राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के रजिस्ट्रार सहित अलग-अलग विभागों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

राशनकार्डधारी सदस्य आधार सीडिंग के लिए 30 जून तक दे सकते हैं आधार नंबर

रायपुर। प्रदेश में पंजीकृत राशनकार्डधारी सभी सदस्यों का आधार नंबर प्रस्तुत करने की समय-सीमा 30 जून तक निर्धारित किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है। पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की अधिसूचना द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन सामग्री प्राप्त करने हेतु हितग्राहियों को आधार नंबर प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा 30 जून 2023 तय की गई है। अत: जिले में प्रचलित पंजीकृत सभी सदस्यों का आधार नंबर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त कर समय-सीमा में आधार सीडिंग की कार्यवाही पूर्ण की जाए।

हॉकी अकादमी की खिलाड़ी गीता का 'खेलो इंडिया वार्षिक छात्रवृत्ति' में चयन

रायपुर (ए)। बीआर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी से हॉकी खिलाड़ी कुमारी गीता यादव का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण की 'खेलो इण्डिया वार्षिक स्कॉलरशिप' के लिए किया गया है। कुमारी गीता यादव को स्कॉलरशिप के तहत प्रतिवर्ष 6 लाख 20 हजार रूपये दिए जायेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गीता यादव को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा की उनकी यह उपलब्धि बाकी खिलाड़ियो को प्रेरणा देगी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने गीता को बधाई दी और कहा की राज्य सरकार खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न खेल अकादमियों का निर्माण कर रही है। ताकी यहां से खिलाड़ी प्रशिक्षण पाकर देश का नाम रोशन करें।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने देखा ईएमआर सिस्टम

बिना चीरे के न्यूरो सर्जरी के बारे में भी ली जानकारी, छत्तीसगढ़ में भी इसे अपनाने स्वास्थ्य विभाग साझेदारी की संभावना तलाशेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में अध्ययन भ्रमण पर ऑस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के अधिकारियों के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। टीम ने विगत 20 मई को क्वीसलैंड के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल का भ्रमण किया था। स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव के साथ अध्ययन दौरे पर ऑस्ट्रेलिया गई टीम में स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन शामिल हैं।

टीम ने गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ बैठक कर वहां विकसित और लागू की गई ईएमआर (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड) प्रणाली के बारे में जाना। हॉस्पिटल के अधिकारियों ने टीम के सामने इसका प्रस्तुतिकरण दिया। वहां के विशेषज्ञों ने अस्पताल की मजबूत आईटी सिस्टम का भी प्रेजेंटेशन दिया जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग होता है। इससे बीमारियों और केस लोड की संभावना की जानकारी के साथ ही इलाज के लिए योजना बनाने और मानव संसाधन के प्रबंधन में मदद मिलती है।

गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा राज्य से गए अध्ययन दल को वर्चुअल अस्पताल भी दिखाया गया, जहां मरीज अपने घर से ही वे सभी स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं जो वे अस्पताल में प्राप्त करते हैं। वर्चुअल अस्पताल द्वारा डॉक्टर से परामर्श, निदान एवं दवाएं मुहैया कराने के बाद जहां आवश्यक हो वहां स्टाफ नर्स या संबंधित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा घर पहुंच सेवा भी प्रदान की जाती है। इससे रोगी का समय बचता है और अस्पताल में मरीजों का दबाव कम होने से दक्षता बढ़ती है। वर्चुअल अस्पताल सेवा का उपयोग गंभीर रोगियों के लिए किया जाता है।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के अत्याधुनिक कमांड और कंट्रोल सिस्टम का अवलोकन कर इसकी कार्यप्रणाली को समझा। इसके उपयोग से वहां अस्पताल प्रबंधन की दक्षता में सुधार आया है और रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह प्रणाली कम लागत पर समय रहते समस्याओं की जानकारी देता है तथा योजना बनाने एवं उनका समाधान करने में मदद करता है।

गोल्ड कोस्ट अस्पताल प्रबंधन द्वारा राज्य की टीम को बिना चीरे के न्यूरोसर्जरी के बारे में भी जानकारी दी गई और इसके फायदे बताए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वहां के विशेषज्ञों से विस्तृत चर्चा के बाद इसे छत्तीसगढ़ में लागू करने के लिए साझेदारी की संभावना के लिए पहल करने का निर्णय लिया है। गोल्ड कोस्ट विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉन कालवर्ट, कार्यकारी निदेशक संदीप कुमार तथा वरिष्ठ प्रबंधक प्रभु कन्नन की मौजूदगी में टीम ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का अध्ययन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर इन्वायरोथॉन भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

इन्वायरोथॉन 1 जून को, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता 4 जून को

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित की जा रही हैं प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं सर्वप्रथम 01 जून 2023 को कलिंगा विश्वविद्यालय परिसर में सॉल्यूशन फॉर वेस्ट यूटिलाईजेशन विषय पर इन्वायरोथॉन का आयोजन तीन वर्ग समूह में किया गया है। कलिंगा विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रथम वर्ग में कक्षा 10 वीं से 12 वीं, द्वितीय वर्ग में सभी स्नातक एवं तृतीय वर्ग में स्नातकोत्तर के छात्र एवं छात्राएं भाग ले सकेंगे। प्रथम पुरस्कार 21 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार 11 हजार रूपए रखे गये हैं। प्रतियोगिता का द्वितीय चरण 05 जून को नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा 4 जून 2023 को प्रात: 10 बजे से न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इन प्रतियोगिताओं का विषय है ''व्यक्तिगत आदतों एवं व्यवहारों में परिवर्तन लाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी करना'' भाषण प्रतियोगिता दो आयु वर्गों 13 से 17 वर्ष व 18 से 21 वर्ष एवं पोस्टर प्रतियोगिता तीन आयु वर्ग 12 वर्ष तक, व 13 से 17 वर्ष व 18 से 21 वर्ष वर्ग में होगी, जिसमें पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे।

प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को अपना पहचान पत्र एवं आयु प्रमाण-पत्र की छायाप्रतियाँ साथ लानी होंगी। रजिस्ट्रेशन प्रतियोगिता स्थल पर किया जायेगा। रजिस्ट्रेशन हेतु प्रतिभागियों को प्रात: 9.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य है। प्रतियोगिता में पुरस्कार स्वरूप आकर्षक नगद पुरस्कार रखे गये हैं। विजेताओं को 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर न्यू-सर्किट हाऊस, सिविल लाईंस, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा परिणाम घोषित

हायर सेकेण्डरी परीक्षा का परिणाम 65.46 प्रतिशत तथा हाई स्कूल परीक्षा का परिणाम 54.09 प्रतिशत रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

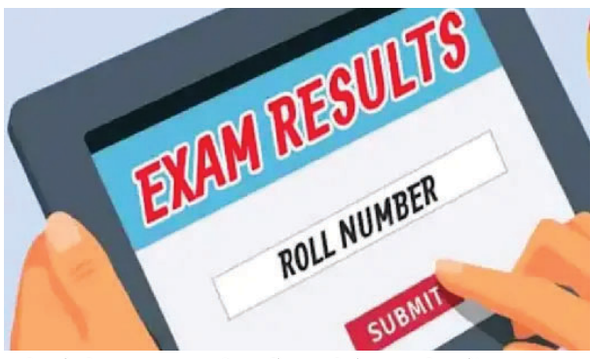

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के नतीजे घोषित किए गए। हाई स्कूल का परीक्षाफल प्रतिशत 54.09 तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा का परीक्षाफल प्रतिशत 65.46 रहा। हाई स्कूल परीक्षा में कुल 37 हजार 471 छात्रों का पंजीयन हुआ था। इस 34 हजार 161 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। 34 हजार 132 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी किया गया। कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थी 18 हजार 465 रहे। 29 परीक्षार्थियों का परीक्षाफल विभिन्न कारणों से रोका गया है। हाई स्कूल परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में 4 हजार 13 परीक्षार्थी, द्वितीय श्रेणी में 7 हजार 320 विद्यार्थी तथा तृतीय श्रेणी 6 हजार 923 विद्यार्थी से उत्तीर्ण हुए। कुल 18 हजार 465 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 65 हजार 557 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। इसमें 62 हजार 51 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से 57 हजार 105 परीक्षार्थियों को परीक्षा परिणाम जारी किया गया। इनमें 9 हजार 653 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी, 15 हजार 180 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से तथा 11 हजार 801 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। कुल 37 हजार 383 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा में 4 हजार 883 विद्यार्थी आरटीडी योजनांतर्गत अवसर परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। 63 परीक्षार्थियों का परीक्षाफल विभिन्न कारणों से रोका गया है। उक्त परीक्षा परिणाम छात्र वेबसाईट https://www.sos.cg.nic.in/ एवं http://www.result.cg.nic.in में प्राप्त कर सकते हैं एवं अनुत्तीर्ण छात्र आगामी परीक्षा के आवेदन फार्म अपने अध्ययन केन्द्र में जमा कर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

ओडिशा राज्य सेवा के अधिकारियों ने चिप्स के ई-प्रोक्योरमेंट परियोजना का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए 42 से अधिक अधिकारियों को चिप्स कार्यालय में आईटी योजनाओं की दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सिविल लाईन्स स्थित कार्यालय में ओडिशा के 42 से अधिक राज्य सेवा के अधिकारियों ने चिप्स कार्यालय का भ्रमण किया। इन अधिकारियों को चिप्स द्वारा संचालित आई.टी. योजनाओं की जानकारी दी गयी। उक्त जानकारी देते हुए चिप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ शर्मा ने बताया कि शासकीय क्रय विक्रय के लिए संचालित एकीकृत ई-प्रोक्योरमेंट परियोजना द्वारा शासन की खरीदी-बिक्री में पारदर्शिता और मितव्यवता लाई जा रही है। इस परियोजना से राज्य के 56 विभाग, मंडल, निगम, बोर्ड जुड़े हुए हैं, जिनके प्रोक्योरमेंट से संबंधित समस्त कार्य एकीकृत ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। फलस्वरूप राज्य के बहुमूल्य समय और धन की बचत रही है। अमिताभ शर्मा ने बताया कि यह परियोजना वैश्विक महामारी के दौरान अत्यंत उपयोगी रही, जिसके माध्यम से लॉकडाउन के बावजूद शासन को नागरिक सुविधा के लिए आवश्यक सामाग्रियों की खरीदी न्यूनतम दरों पर संभव हुई।

इस अवसर पर चिप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ शर्मा के अलावा अनिल पाठक, डिप्टी डायरेक्टर, वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, बिज्जू दत्ता, संयुक्त संचालक, वित्त, ओडिशा, विवेक कुमार सिंह, संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वित्त एवं प्रशासन, चिप्स और परियोजना प्रमुख प्रतीक पाण्डे भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पंजीकृत 4850 मानस मंडलियों को मिली 2.43 करोड रूपए की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा रामायण मंडली प्रोत्साहन योजना के तहत संस्कृति विभाग के चिन्हारी पोर्टल में पंजीकृत चयनित 4850 रामायण मानस मंडलियों को दो करोड़ 42 लाख 50 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर विगत दो वर्षो से राज्य स्तरीय रामायण मंडली मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। विजयी दल के लिए प्रोत्साहन राशि का भी प्रावधान किया गया है। सरकार की इस पहल से हमारी प्राचीन संस्कृति को पुन: स्थापित करने में सफलता हासिल की है। रामायण मंडली के बीच मानस प्रतियोगिता में प्रदेश के रामायण मंडलियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में विजेता दल को राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में प्रस्तुत करने का अवसर भी मिला।

संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गरियाबंद जिले के चयनित 243 मानस मंडलियो को 12 लाख 16 हजार रूपए, बलौदाबाजार-भाटापारा के 92 मानस मंडली, को 4 लाख 60 हजार रूपए, बेमेतरा के 185 मानस मंडली को 9 लाख 30 हजार रूपए, दुर्ग के 12 मानस मंडली को 10 लाख 60 हजार रूपए, रायपुर के 189 मानस मंडली को 9 लाख 50 हजार रूपए, सक्ति के 514 मानस मंडनी को 25 लाख 70 हजार रूपए, नारायणपुर के 31 मानस मंडली को 15 लाख 50 हजार रूपए, मुंगेली के 72 मानस मंडली को 3 लाख 60 हजार रूपए, मोहला-मानपुर-चौंकी के 59 मानस मंडली को 23 लाख 95 हजार रूपए, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 60 मानस मंडली को 30 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

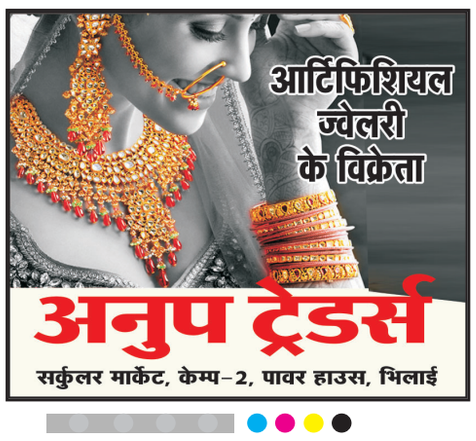

बिग बी की नातिन नव्या ने गुजरात के गांव में चलाया ट्रैक्टर

मेगास्टार अमिताभ बच्चन की पोती नव्या नवेली नंदा का गुजरात के एक गांव में ट्रैक्टर चलाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। नव्या, आरा हेल्थ की को-फाउंडर हैं, जो कि वुमन सेंट्रिक हेल्थ कंपनी है, ने गुजरात के एक गांव की अपनी हालिया यात्रा की एक झलक साझा की, जहां वह स्थानीय महिलाओं से मिलीं और ट्रैक्टर चलाया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने गुजरात के गणेशपुरा का दौरा किया। नव्या ने आरा हेल्थ द्वारा आयोजित मीटिंग में महिलाओं से मुलाकात की। नव्या बिग बी की बेटी श्वेता बच्चन और उनके पति निखिल नंदा की बेटी हैं, जो एक्टर करीना कपूर और रणबीर कपूर के चचेरे भाई हैं। उनका अगस्त्य नाम का एक भाई भी है, जो जोया अख्तर के द आर्चीज के रूपांतरण में एक्टिंग की शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जॉन अब्राहम ने रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव में किया वॉयसओवर

एक्शन स्टार जॉन अब्राहम रवि तेजा की अपकमिंग फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के लिए वॉयसओवर आर्टिस्ट के तौर पर काम कर रहे हैं। डबिंग सेंशन की एक झलक साझा करते हुए, जॉन अब्राहम ने अपने ट्विटर प्रोफाइल पर एक वीडियो पोस्ट की और कैप्शन में लिखा- इस अद्भुत प्रोजेक्ट का एक छोटा सा हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। टाइगर नागेश्वर राव वीडियो का पहला लुक शानदार है! आशा है आप सभी इसे पसंद करेंगे।

टीजर 24 मई को एक इवेंट में लॉन्च किया जाएगा। वामसी द्वारा अभिनीत फिल्म को द कश्मीर फाइल्स के निर्माता अभिषेक अग्रवाल द्वारा बैंकरोल किया गया है। टाइगर नागेश्वर राव फिल्म में नूपुर सनन, गायत्री भारद्वाज, अनुपम खेर, रेणु देसाई और जिशु सेनगुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। पठान के हिट होने के बाद जॉन अब्राहम तेहरान की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है और दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेल द्वारा निर्मित है।

नुसरत भरूचा को पति के तौर पर लड़के में चाहिए ये क्वालिटीज

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा एक आदर्श पति में कुछ क्वालिटीज चाहती हैं। नुसरत फिल्म छत्रपति का प्रमोशन करने द कपिल शर्मा शो में बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, भाग्यश्री, करण सिंह छाबड़ा, पलक मुच्छल, निर्देशक वीवी विनायक और निमार्ता जयंतीलाल गडा के साथ नजर आएंगी। एपिसोड में, होस्ट कपिल के हस्बैंड क्वालिटीज से जुड़ा सवाल का जवाब देते हुए नुसरत ने कहा, मुझे पति के रूप में ऐसा लड़का चाहिए, जो खूब हंसा सकता हो, उसका सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होना चाहिए, वह सिंगल हो और उसमें हीरो के गुण भी होने चाहिए। इसके अलावा, कपिल ने मजाक में कहा कि उन्होंने अंधेरी वेस्ट में शादी की है और फिल्म सिटी में अकेला है, जिसका मतलब है कि उनमें यह सब क्वालिटीज है और वह उनके लिए पूरी तरह परफेक्ट है। द कपिल शर्मा शो एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

कार में बैठ सैर पर निकलीं इलियाना डिक्रूज, बंप आउट किया फ्लॉन्ट

मां बनने जा रही एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गाड़ी में बैठी नजर आ रही हैं और बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। इलियाना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक क्लिप शेयर की। इस क्लिप में उन्होंने ब्लैक और वाइट ड्रेस पहनीं हुई है और वह कार में बैठीं है। उन्होंने कैप्शन में इसे सन आउट, बम्प आउट कहा। पिछले महीने, एक्ट्रेस घोषणा की कि वह प्रेग्नेंट है। उन्होंने किड टीशर्ट, जिसपर एंड सो द एडवेंचर बिगिन्स लिखा था और ममा का पेंडेट की फोटो शेयर की थी। पहली खबर आई थी कि इलियाना कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं। हालांकि, उनमें से किसी ने भी रिश्तों की पुष्टि नहीं की। हालांकि, इलियाना ने अभी भी बच्चे के पिता के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है।

शरीर के लिए फायदेमंद होता है कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोना

थके हुए दिन के बाद रात को व्यक्ति चैन की नींद सोना चाहता है। आराम की नींद लेने के लिए व्यक्ति हल्के कपड़े पहनता है। आजकल नाइट सूट और गाउन का फैशन है जिसे पहनने के बाद चैन की नींद आती है। हालांकि फिर भी कई लोग होते हैं जो सुबह उठते ही कहते हैं कि रात को सही तरीके से नींद नहीं आई। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बेहद कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोना पसन्द करते हैं। बेशक पढ़ने या सुनने में आपको यह अजीब लगे लेकिन सच में न्यूड सोना यानी कि बिना कोई वस्त्र पहने सोना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। बड़े-बड़े वैज्ञानिक चिकित्सकों ने यह दावा किया है कि वस्त्र पहनकर सोने की तुलना में बिना कोई कपड़ा पहने सोने से अधिक लाभ होता है। आइए डालते हैं एक नजर बिना कपड़ों के सोने से होने वाले फायदों पर—

त्वचा को मिलती है सांस

रात को कम कपड़ों या बिना कपड़ों के सोने से आपकी त्वचा को खुलकर सांस मिलती है। इससे त्वचा सुन्दर हो जाती है। इस तरह सोने से शरीर में हार्मोन्स का विकास होता है, जिससे त्वचा मुलायम हो जाती है।

तनाव और थकान होती है दूर

यदि पति-पत्नी दोनों ही बिना वस्त्र पहने सोते हैं तो रातभर बिस्तर पर सोते समय उन दोनों के शरीर एक-दूसरे के सम्पर्क में आते हैं। इससे दोनों की त्वचा को एक-दूसरे का स्पर्श मिलता है। चिकित्सिकों के अनुसार ऐसा होने से शरीर से ऑक्सीटॉसिन नामक हार्मोन निकलता है। इस हार्मोन के निकलने से तनाव और थकान दोनों दूर हो जाते हैं और ब्लड प्रेशर भी नियंत्रण में रहता है। तनाव की वजह से आदमी का मन ज्यादा फास्टफूड खाने को करता है लेकिन जब आप अच्छी नींद लेते हैं तो आपका तनाव बढ़ाने वाला केमिकल कोलेस्ट्राल घट जाता है। इसलिए कपड़े उतारकर अच्छी नींद ले।

गुप्तांगों में पैदा नहीं होते बैक्टीरिया

पुरूषों के लिए, ठंडे स्थान पर सोना हमारे अंडकोषों को ठंडा रखने में मदद करता है। जिससे हमारे शुक्राणु बढ़ते हैं। महिलाओं के लिए, गर्मी या पसीने में बैक्टीरिया ज्यादा पनपते है। बिना कपड़ों के सोने से हमारी त्वचा सांस लेती रहती है जिससे महिलाओं की योनि में बैक्टीरिया पैदा नहीं होते।

कम होता है वजन

सोते समय कपड़े न पहनने से शरीर का मेटाबोलिज्म तेज होता है और इससे गर्दन में ब्राउन फैट बढ़ता है। इस तरह के फैट से शरीर की कैलोरी बर्न होती है और आपका वजन कम होता है।

देर से आता है बुढ़ापा

बिना कपड़ों के सोने वाले आदमी जल्दी से बूढ़े नही होते, बजाय उनके जो कपड़े पहनकर सोते है।

बदलता है शरीर का तापमान

रात को टाइट कपड़े या ज्यादा कपड़े पहन कर सोने से आपके शरीर का तापमान बदल जाता है। इससे आपको बेचैनी होने के कारण नींद नही आती। इसकी बजाए बिना कपड़ो के सोने से आपके शरीर को आराम मिलता है और नींद में अच्छी आती है।

फार्मा उद्योग को लेकर रितेश देशमुख के साथ सीरीज बना रहे हैं राजकुमार गुप्ता!

राज कुमार गुप्ता भारत के सबसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं में से एक हैं, जिन्होंने अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज स्टारर रेड, रानी मुखर्जी और विद्या बालन के बेमिसाल अभिनय से सजी नो वन किल्ड जेसिका और राजीव खंडेलवाल की आमिर जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उनका आखिरी निर्देशित फिल्म- इंडियाज मोस्ट वांटेड, जिसमें अर्जुन कपूर थे, 2019 में प्रदर्शित हुई थी। उसके बाद से राजकुमार गुप्ता ने किसी फिल्म की घोषणा नहीं की। पिंकविला के अनुसार अब राजकुमार गुप्ता एक वेब सीरीज का निर्देशन करने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने रितेश देशमुख और रॉनी स्क्रूवाला से हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि राजकुमार गुप्ता की यह वेब सीरीज भारत में फार्मा उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है।

निर्माता रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। उनका कहना है, यह एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, जिसे राजकुमार गुप्ता कुछ समय से परदे पर उतारना चाहते थे। उन्हें लगता है कि लॉन्ग फॉर्म फॉर्मेट स्क्रिप्ट के साथ पूरा न्याय करेगा, यही वजह है कि उन्होंने इसके लिए डिजिटल रास्ता चुना। कथानक के हिसाब से उन्हें इस किरदार के लिए रितेश देशमुख उपयुक्त लगे। अब दोनों ने चंडीगढ़ में इसके लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह पहला मौका नहीं है जब राजकुमार गुप्ता और रॉनी स्क्रूवाला एक साथ काम करने जा रहे हैं, इससे पहले रॉनी स्क्रूवाला ने राजकुमार गुप्ता की आमिर, नो वन किल्ड जेसिका और घनचक्कर का निर्माण किया है।

इस बीच, रितेश देशमुख अपनी मराठी फिल्म वेद की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रोमांटिक ड्रामा रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा द्वारा सुर्खियों में था, और 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, पिछले महीने डिज्नी+ हॉटस्टार पर इसका प्रदर्शन हुआ था। इसके अलावा, रितेश देशमुख के पास पाइपलाइन में आदित्य सरपोतदार की ककुड़ा भी है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम सह-कलाकार हैं।

सारा अली खान ने की इब्राहिम के एक्टिंग डेब्यू की पुष्टि

सारा अली खान इन दिनों सुपर बिजी चल रही हैं। अभिनेत्री, जो विक्की कौशल के साथ जरा हटके जरा बचके शीर्षक वाली अपनी अगली फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने इस साल कान्स में अपनी शुरुआत की! अभिनेत्री 20 मई को भारत लौटी। कान में अभिनेत्री ने अपने भाई इब्राहिम अली खान के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। उसने पुष्टि की कि इग्गी पॉटर, जैसा कि वह उसे प्यार से बुलाती है, एक अभिनेता के रूप में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है। खास बात यह है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है!

सारा अली खान ने पुष्टि की है कि उनके भाई, इब्राहिम अली खान, अपने अभिनय की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म साथी के साथ बात करते हुए, सारा ने अपने भाई इब्राहिम और मां अमृता के बारे में बात की और खुलासा किया, उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी पहली फिल्म की

शूटिंग अभी पूरी की है, जिस पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। हां, उसके पास है और जब भी वह घर आता है, चाहे वह स्कूल से हो या शूट से, हम दोनों का उसके प्रति बेहद प्यार और पसंद, यह रवैया है और तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास मेरी मां का दिल है। क्योंकि हम इब्राहिम के साथ बहुत समान व्यवहार करते हैं।

तथ्य यह है कि इब्राहिम ने अपनी पहली फिल्म के रूप में धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म साइन की है। एक मीडिया हाउस ने इब्राहिम अली खान की धर्मा प्रोडक्शन के साथ पहली फिल्म का नाम अस्थायी रूप से सरजमीन बताया है। यह इमोशनल थ्रिलर होगी जिसमें इब्राहिम अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म फरवरी के अंत में फ्लोर पर चली गई। इब्राहिम के अतिरिक्त इस फिल्म में मलयालम फिल्मों के सुपर सितारे पृथ्वीराज व काजोल भी महत्त्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले इब्राहिम अली खान ने करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था।

रेसिपीः सुबह और शाम के नाश्ते में बनाएं राजमा संडल

हर गृहिणी को सुबह उठते ही नाश्ते की चिंता सताने लगती है। बच्चों को स्कूल लंच समय में क्या बनाकर भेजना है और परिवार के अन्य सदस्यों को क्या खिलाना है यही सोच उन्हें परेशान करती है। आज हम अपने पाठकों को सुबह के नाश्ते के लिए राजमा संडल के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें आप आसानी से सप्ताह में दो बार तो कम से कम अपने परिवार को बना कर खिला सकती है, क्योंकि इसका स्वाद ही लाजवाब होता है।

राजमा संडल की सामग्री

- राजमा- 1 कप,
- हरी मिर्च और अदरक पेस्ट- 1 छोटा चम्मच,
- नारियल- 2 बड़े चम्मच किसा हुआ
- नींबू का रस- 1 छोटा चम्मच,
- हरा धनिया- सजाने के लिए,
- तेल- 1 बड़ा चम्मच,
- राई- आधा छोटा चम्मच,
- उड़द दाल- 1 छोटा चम्मच,
- कढ़ी पत्ते- 7-8,
- साबुत लाल मिर्च- 1,
- हींग- 1 चुटकी।
- नमक स्वादनुसार।

बनाने की विधि

राजमा को रातभर पानी में भिगोकर रखें। पानी निथारकर सादे पानी से धो लें। कुकर में राजमा को आधा छोटा चम्मच नमक और डेढ़ कप पानी के साथ चार सीटी आने तक पका लें। पानी निथारकर एक तरफ रख दें। अब पैन में तेल गर्म करके राई तडक़ाएं। उड़द दाल डालकर गुलाबी भून लें। हींग, कढ़ी पत्ते और लाल मिर्च तडक़ाएं। फौरन हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट मिलाएं। राजमा मिलाकर मध्यम आंच पर कुछ मिनट चलाते हुए भूनें। आंच बंद कर नारियल मिलाएं। नींबू का रस और हरा धनिया डालकर परोसें।

पूरा हुआ विद्या की 'नीयत' का साउंड वर्क, 7 जुलाई को आएगी एक्ट्रेस की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म

अभिनेत्री विद्या बालन इन दिनों अपनी फिल्म 'नीयत' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए विद्या लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। फिल्म को लेकर अब नई अपडेट यह है कि इसका साउंड वर्क पूरा हो चुका है। एक्ट्रेस की 'नीयत' का साउंड वर्क आइकॉनिक एबी रोड स्टूडियो में किया गया है। एबी रोड स्टूडियो का खुद का एक नाम रहा है। यह कई महान संगीतकारों और कलाकारों के काम का केंद्र रहा है। यह स्टूडियो स्कोरिंग के लिए दुनिया के महत्वपूर्ण ठिकानों में से एक है। इसमें 'रेडर्स ऑफद लॉस्ट आर्क', द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और हॉबिट ट्राइलॉजी, हैरी पॉटर सीरीज की फिल्में, 'ब्लैक पैंथर', '1917', एवेंजर्स: एंडगेम के अलावा 'ग्रेविटी' और 'द शेप ऑफ वॉटर' के ऑस्कर विनिंग स्कोर्स भी यहां कंपोज हुए हैं।

सस्पेंस से भरपूर है कहानी

विद्या बालन की 'नीयत' सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर फिल्म है। यह एक मर्डर-मिस्ट्री है, जिसका निर्देशन अनु मेनन ने किया है। फिल्म एक अरबपति की पार्टी में हत्याओं की जांच करने वाली एक जासूस (विद्या बालन) की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। विद्या बालन के अलावा फिल्म में राम कपूर, राहुल बोस, प्राजक्ता कोली, नीरज कबी, अमृता पुरी, शाहाना गोस्वामी, निकी वालिया, दीपानिता शर्मा, शशांक अरोड़ा जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे।

इस दिन होगी रिलीज

नीयत' का पोस्टर जारी किया जा चुका है, जो फैंस को काफी पसंद आया। हमेशा शानदार अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीतने वाली विद्या की इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म सिनेमाघरों में सात जुलाई को दस्तक देगी।

चिरंजीवी ने 'भोला शंकर' के सेट से साझा की तस्वीरें, फैंस बोले- मेगास्टार इज बैक

साउथ मेगास्टार अभिनेता चिरंजीवी अपनी फिल्मों के अलावा अपने स्टाइल को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेता फिल्हाल अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'भोला शंकर' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। चिरंजीवी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और अब फिल्म के शूटिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस भी उन तस्वीरों को देखकर काफी उत्साहित हो रहे हैं।

अभिनेता चिरंजीवी को आखिरी बार फिल्म 'वाल्टेयर वीरैया' में देखा गया था, जिसमें दर्शकों ने उनके अभिनय की खूब सराहना की थी। इस फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड में चल रही है। अभिनेता ने अपने फैंस को कुछ तस्वीरों के साथ तोहफा दिया और शूटिंग की कुछ झलकियां अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है। फैंस भी अभिनेता की इस तस्वीर पर अपना जमकर प्यार बरसा रहे हैं। गौरतलब है कि चिरंजीवी की यह फिल्म 'वेदालम' की आधिकारिक रीमेक है, जिसमें अजीत को एक बहुत ही हिंसक और बिंदास भाई की भूमिका में दिखाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ तमन्ना भाटिया भी नजर आने वाली हैं। फिल्म में चिरंजीवी अहम किरदार में नजर आएंगे। फैंस को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

ट्विटर पर कुछ तस्वीर साझा करते हुए चिरंजीवी ने एक नोट लिखा, 'स्विट्जरलैंड में भोला शंकर के लिए गाने की शूटिंग बहुत मजेदार रही। मैं कह सकता हूं कि यह गाना सभी दर्शकों को पसंद आएगा और इससे भी ज्यादा सभी प्रशंसकों को। आइए जल्द ही और साझा करें! तब तक, यह छोटी लीक तस्वीरें हैं। फैंस ने इन तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा कि वह इस गाने का इंतजार कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'चिरंजीवी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं कर सकते हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, 'मेगास्टार फिर से धमाल मचाने को हैं तैयार।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टर ने किया संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टरों के मध्य कार्य विभाजन

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने प्रशासनिक दृष्टि से पूर्व मे जारी कार्यालयीन कार्य विभाजन आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए कार्यालयीन कार्य के सुचारू रूप से संचालन हेतु जिले में पदस्थ डिप्टी कलेक्टरों एवं संयुक्त कलेक्टर के मध्य कार्य विभाजन किया है। इसके अंतर्गत संयुक्त कलेक्टर श्री योगेन्द्र श्रीवास को वरिष्ठ लिपिक शाखा 01, 02 एवं 03 तथा चिटफंड शाखा के साथ-साथ कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य प्रशासकीय कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल को पर्यटन शाखा पर्यटन मण्डल से संबंधित कार्य तथा डिप्टी कलेक्टर मनोज मरकाम को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डौण्डी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह नव पदस्थ डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा को वित्त एवं स्थापना, आहरण एवं संवितरण अधिकारी एवं प्रशासनिक कार्य, भू अभिलेख शाखा, लोक सेवा गांरटी, चिप्स/च्वाईस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (एन.आई.सी.), लोक सेवा केन्द्र तथा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य प्रशासनिक कार्यों की निर्वहन की जिम्मेदारी दी गई है। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा के लिंक ऑफिसर डिप्टी कलेक्टर श्री सुरेश कुमार साहू को बनाया गया है। इसके अलावा पूर्व में जारी किए गए शेष आदेश यथावत रहेगा।

गोरकापार गौठान के गोबर विक्रेता, कृषक एवं महिला समूह गोबर बेचकर हो रहे आत्मनिर्भर

बालोद। गोधन न्याय योजना अंतर्गत ग्राम गोरकापार गौठान से गोबर विक्रेता कृषक एवं महिला समूह गोबर बेचकर हो रहें आत्मनिर्भर। गोबर विक्रेता अर्जित लाभांश से संतुष्ट है। साथ ही ग्रामवासी भी संतुष्ट है। ग्राम गोरकापार के सामुदायिक पशु आश्रय स्थल का कुल रकबा 03 एकड़ है एवं चारागाह उद्यान का कुल रकबा 05 एकड़ है। जिसमें फलदार वृक्ष एवं मौसमी चारा लगाया जाता है। उक्त स्थल पर ग्राम सुखरी की समहित महिला स्वसहायता समूह के द्वारा गोबर खरीदी का कार्य किया जाता है। महिला समुह द्वारा अब तक 01 लाख 47 हजार 312 किलोग्राम गोबर खरीदी की गई जिसके एवज में 40 हजार 740 किलोग्राम वर्मी खाद उत्पादन कर विक्रय हेतु सेवा सहकारी समिती गोरकापार को दिया गया है, जिसका लाभांश महिला समुह को 78 हजार 578 रु. प्राप्त हो चुका है। अर्जित लाभांश का समूह की महिलाओं द्वारा अपने घरेलू आवश्यक सामग्री खरीदी कर आर्थिक जरूरत पूरी करने में मदद भी मिल रहा है। जिससे महिला समुह खुश होकर कार्य कर रही हैं। सामुदायिक पशु आश्रय स्थल ग्राम गोरकापार में कुल 27 पशुपालक है। जिनके द्वारा माह भर में प्रत्येक खरीदी दिवस पर अपने पशुधन द्वारा प्राप्त गोबर का विक्रय महिला समुह को किया जाता है। जिससे गोबर विक्रय के 15 दिवस अंतराल में पशुपालकों के खाते में राशि अंतरित हो जाता है। साथ ही सामुदायिक पशु आश्रय स्थल में पशुओ के लिए चारा हेतु 175 क्विंटल पैरा उपलब्ध है। पशुओं के लिए पीने हेतु पर्याप्त मात्रा में जल एवं छाया उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल में पशु खुले स्थानों में चराई करते है। वर्षाकाल में लावारिस पशुओं का एवं अन्य गौवंश पशुओं का अस्थायी आश्रय स्थल के रुप में प्रयोग किया जाता है।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

सुकमा। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सह ब्लूमबर्ग परियोजना अंतर्गत जिला स्तरीय स्टेक होल्डर्स का संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। ब्लूमबर्ग परियोजना के संभागीय सलाहकार एवं तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. योगेश पैकरा ने उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, कोटपा एक्ट 2003, कोटपा छ.ग. संशोधन अधिनियम 2021, टोबैको मॉनिटरिंग एप्प से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में कलेक्टर हरिस. एस ने जिले में तम्बाकू नियंत्रण के संबंध में की जा रही गतिविधियों की जानकारी नोडल अधिकारी से ली। साथ ही तम्बाकु नियंत्रण नियमों का कढ़ाई से पालन सुनिश्चित करवाने कहा। आगामी 31 मई को विश्व तम्बाकु निषेध अधिनियम दिवस में जिले के सभी सार्वजिनक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित करने कहा। साथ ही कोटपा 2003 के प्रावधानों की निगरानी तथा उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ जिला स्तरीय दल और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुकमा को चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किये जाने के निर्देश दिए गए। सु प्रीति दुर्गम एसडीएम सुकमा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेश सांडिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सार्वजनिक-निजी सहयोगात्मक वित्त पोषण के प्रभाव को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। अनुसंधान नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रभावित करना योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के परिणामों को प्रदर्शित करने वाली एक दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में 22 मई, 2023 को किया गया। इसका उद्देश्य उत्पादों और पेटेंट बनाने वाली अनुसंधान परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक-निजी सहयोगात्मक वित्त पोषण को सामने लाना था।

इम्प्रिंट परिणामों के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के उद्घाटन के अवसर पर सचिव, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता अपने सम्बोधन में कहा कि इम्प्रिंट पहल एक अनूठा उदाहरण है जहां सरकार और शिक्षा जगत शुरू से ही उद्योगों के साथ ऐसे विचारों पर काम कर रहे हैं जिन्हें बाजार में ले जाया जा सकता है, और इस योजना से कई प्रौद्योगिकियां और उत्पाद बाजार में पहुंच गए हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि इस तरह के उद्योग-संचालित अनुसंधान के लिए समर्थन सार्वजनिक ङ्कनिजीङ्कसहभागिता (पीपीपी) मोड पर उद्योग द्वारा संचालित विचारों पर काम करने के मॉडल को स्वरुप देने के साथ ही भारतीय उद्योग को और अधिक नवीन बना सकता है एवं अधिक गहन तकनीकी स्टार्टअप को प्रोत्साहित कर सकता है तथा उन्हें विकसित देशों के बराबर उच्च स्तर पर बना सकता है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग/विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड (डीएसटी /एसईआरबी) और शिक्षा मंत्रालय (एमओई) की पहल की इस प्रदर्शनी जिसमें इम्प्रिंट ढ्ढ्ढ के 10 कार्यक्षेत्रों (डोमेन) के अंतर्गत लगभग 60 परियोजनाओं के परिणाम को प्रोटोटाइप/पोस्टर/अन्य प्रासंगिक प्रदर्शनों के रूप में प्रदर्शित किया गया, लगभग लगभग विभिन्न हितधारकों से 300 व्यक्ति- वैज्ञानिक समुदाय, शिक्षाविद/शोधकर्ता, उद्योग, सरकारी अधिकारी आदि की भागीदारी देखी गई।

आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने समाज में उन समस्याओं की पहचान करने की आवश्यकता पर जोर दिया जहां प्रौद्योगिकी एक बदलवा ला सकती है और कहा कि इम्प्रिंट के अंतर्गत वे प्रौद्योगिकियां, जिनमें से कई प्रदर्शनी में प्रदर्शित हैं, का उद्देश्य समाज के लिए लाभकारी उत्पादों को सामने लाना है। शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती सौम्या गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रभावित करना (इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी - आईएमपीआरआईएनटी) जैसी पहलों ने समाज की जरूरतों को पूरा किया,उन्होंने प्रभाव पैदा करने के लिए सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया ।

अनुसंधान नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रभावित करना (इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी - आईएमपीआरआईएनटी) योजना को 5 नवंबर, 2015 को 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत उच्च स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जो उद्योग की जरूरतों को सीधे प्रभावित करता है और इस तरह उद्योग के भारतीय विनिर्माण इकोसिस्टम की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त में सुधार करता है। हमारे देश की आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक 10 चयनित कार्यक्षेत्रों (डोमेन) में प्रमुख इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी।

इस योजना का उद्देश्य उन शोध परियोजनाओं के लिए सहयोगी वित्त पोषण करना था जो उत्पाद और पेटेंट तैयार करेंगे। ये 10 डोमेन हैं- पर्यावरण और जलवायु, ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी, टिकाऊ आवास, जल संसाधन, उन्नत सामग्री, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रौद्योगिकी, नैनो-प्रौद्योगिकी और सुरक्षा और रक्षा।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के डिजिटल डोर नंबर प्रोजेक्ट को मिला इंटरनेशनल अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हांगकांग में 'द एसेट ग्रुप' द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित द एसेट ट्रिपल-ए अवाड्‌र्स समारोह में रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के डिजिटल डोर नंबर प्रोजेक्ट को बेस्ट पेमेंट एंड कलेक्शन सॉल्यूशन श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मानते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। एक भव्य समारोह में द एसेट ग्रुप के एडिटर एंड चीफ डेनियल वाय. यू. द्वारा रायपुर स्मार्ट सिटी लि. को अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रबंध संचालक मयंक चतुर्वेदी ने प्रोजेक्ट से जुड़े नगर निगम, स्मार्ट सिटी व प्रोजेक्ट पार्टनर बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है एवं नागरिकों को इस सुविधा का पूर्ण लाभ के लिए प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया है। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के डीडीएन प्रोजेक्ट को मिले द एसेट ट्रिपल-ए अवाड्‌र्स का आयोजन 'द एसेट ग्रुप' द्वारा प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, जिसमें मध्य-पूर्व व एशिया महाद्वीप के सभी महत्वपूर्ण देश विश्व मंच पर अपने महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट ज्यूरी के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। विशेषज्ञ इन परियोजनाओं की गुणात्मक व जनोपयोगी स्वरूप का मूल्यांकन कर उपयोगिता अनुरूप अवार्ड का निर्धारण करते हैं। परियोजना के तहत प्रोजेक्ट पार्टनर इंडसइंड बैंक के सहयोग से रायपुर स्मार्ट सिटी लि. व नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा शहर के 3.11 लाख घरों में डीडीएन प्लेट लगाए जा रहे है, जिसके माध्यम से मकान मालिक अपने इस प्लेट में लगे क्यू-आर कोड को स्कैन कर संपत्ति कर, जल कर सहित अन्य विभिन्न करों के भुगतान के साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, नल कनेक्शन सहित 26 तरह की आवश्यक व आपातकालीन सेवाएं घर बैठे सुगमता पूर्वक प्राप्त करते हैं। हाल ही में आयोजित एक भव्य समारोह में रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के डीडीएन प्रोजेक्ट को डिजिटल अवार्ड अंतर्गत बेस्ट पेमेंट एंड कलेक्शन सॉल्यूशन श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट के तौर पर चयनित किया गया। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. व प्रोजेक्ट पार्टनर इंडसइंड बैंक द्वारा इस श्रेणी हेतु डीडीएन प्रोजेक्ट को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा नगर निगम के सहयोग से अब तक 1.55 लाख घरों में डीडीएन प्लेट लगाए जा चुके है एवं 55 हजार घरों में उक्त प्लेट वर्तमान में लगाए जा रहे है।

मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ को नगर पालिका अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ0 किरणमयी नायक के पहल पर प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के संरक्षण तथा उनसे संबंधित राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने हेतु संचालित मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ का कोण्डागांव में स्वागत करते हुए जिले में प्रचार हेतु नगर पालिका परिषद अध्यक्ष वर्षा यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री महतारी रथ प्रदेश भर में कई जिलों में भ्रमण करते हुए कोण्डागांव पहुंची है। जिले में कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी एके बिस्वाल के निर्देशन में संचालित यह रथ 21 से 27 मई तक विभिन्न ग्रामों में जाकर महिलाओं की सुरक्षा, उनके विकास एवं नारी सशक्तिकरण के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में घूम-घूम कर जन जन तक जानकारी प्रदान करेगा।

यह रथ बड़ीबेन्द्री, बड़ेकनेरा, चिपावन्ड, दहिकोंगा, नेवता, बफ्ना, किवाईबालेंगा, बयानार, बम्हनी, सोनाबाल, हसलनार, मर्दापाल, माकड़ी, छिनारी, शामपुर, अमरावती, बोरगांव, जुगानी, भण्डारशिवनी, लंजोड़ा, आलोर, बड़ेडोंगर, कोटपाड़, बंगोली, धनोरा, अरंडी, बहीगांव, केशकाल, धामनपुरी, बड़बत्तर, मारंगपुरी, विश्रामपुरी में भ्रमण करेगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी रजनी दुबे, ठकेश्वर लांझे, विभागीय पर्यवेक्षक तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ स्थानीय महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

गौठान में स्थानीय लोगों को जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति करें मजबूत - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले के सभी जनपद पंचायत मुख्यालयों में जनपद सीईओ, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, गौठान समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों, स्वसहायता समूहों की बैठक लेकर गोधन न्याय योजना की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि गोधन न्याय योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके क्रियान्वयन को विशेष प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करें।

उन्होंने कहा कि गौठानों को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए गोधन न्याय योजना बनाई गई है। जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिल सके और उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि गौठान में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक जोड़ा जाए। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

कलेक्टर श्री जयवर्धन ने बताया कि 30 जून 2023 को गौठान का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गौठानों में चल रहे कार्यों को गति देने एवं नये कार्यों को शुरू करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके लिए सरपंच, सचिव, गौठान समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों और स्वसहायता समूह के सदस्यों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। गौठान में चल रहे निर्माण कार्यों एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्रतिदिन निर्धारित प्रपत्र में जनपद सीईओ और एसडीएओ के संयुक्त हस्ताक्षर से शाम 4 बजे तक प्रेषित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में नियमित गोबर खरीदी कर वर्मी खाद का उत्पादन होते रहना चाहिए। उन्होंने सभी गौठान में पशुओं के लिए चारा, पानी, पैरा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौठान में बने कोटना में पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी भरा होना चाहिए। जिन गौठानों में शेड मरम्मत योग्य हो गए हो उसे ग्राम पंचायत को मरम्मत कराने कहा। गौठान में मनरेगा से बन रहे वर्मी शेड के कार्य को 30 मई तक पूर्ण करने के लिए कहा। कलेक्टर जयवर्धन ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को गौठान के वर्मी टाका में पर्याप्त मात्रा में केचुआ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी गौठानों में निरीक्षण पंजी संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी गौठान के अध्यक्ष और सदस्यों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। जिन गौठानों में आगामी 3 पखवाड़े तक गोबर क्रय करने की राशि उपलब्ध हो ऐसे गौठानों को स्वावलंबी घोषित करने के लिए उप संचालक कृषि को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। जिन गौठानों में मल्टी एक्टिविटी का कार्य चल रहे है, उसकी जानकारी गोधन न्याय योजना के पोर्टल में ऑनलाईन एन्ट्री करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला नोडल अधिकारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री हेमंत ठाकुर, एसडीएम मोहला डॉ. हेमेन्द्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित योगी, जनपद सीईओ चौकी बीपी चुरेन्द्र, मोहला सीईओ गोपाल कंवर, मानपुर सीईओ डीडी मंडले, तहसीलदार चौकी मनोज रावटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्रद्धा सुमन मानस मंडली को जिला स्तरीय रामायण प्रतियोगिता पुरस्कार दिया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय रामायण मंडली प्रतियोगिता सारंगढ़ बस स्टैंड के पास सोमवार को आयोजित किया गया। राज्य सरकार के संस्कृति विभाग के चिन्हारी पोर्टल में पंजीकृत सारंगढ़, सरिया, बरमकेला, बार, धारासिव, रेड़ा, बासीनबहरा, बरगाव आदि के मानस मंडली ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के सदस्य पुरूषोत्तम साहू ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उत्तरी जांगड़े सहित अतिथियों ने पंडाल में जिले के स्व सहायता समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि भगवान रामजी छत्तीसगढ़ के भांजा है। इसलिए छत्तीसगढ़ राज्य में भांजा भांजियो को प्रणाम करने की परंपरा है। प्रभु श्री राम हम सब के दिल में बसते हैं। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने संक्षिप्त उद्बोधन दिया। नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान ने अपने संबोधन में गाकर कहा जरा देर ठहरो राम, तमन्ना यही है, अभी हमने जी भरके देखा नहीं है। निर्णायक मंडल में श्रीमती व्ही ठाकुर, श्यामलाल चौहान, संतराम धृतलहरे और मानिक लाल मेहर शामिल थे।

सभी प्रतिभागी मंडली और अन्य को मेडल से पुरस्कृत किया गया। बिलाईगढ़ क्षेत्र के श्रद्धा सुमन मानस मंडली को जिला स्तरीय रामायण मंडली पुरस्कार दिया गया।

पुरस्कार राशि संस्था को चेक या सीधा बैंक खाते में ऑनलाइन प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सारंगढ़ के अध्यक्ष मंजू मालाकार, नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के अध्यक्ष सोनी बंजारे, अनिका भारद्वाज, परमानंद पटेल, एसडीएम मोनिका वर्मा, सीईओ अभिषेक बनर्जी, पटेल, और योगेश्वरी बर्मन, सीएमओ मनीष गायकवाड, जीवन यादव, खान और नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान सहित श्रद्धालु जन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि शिवरीनारायण से जुड़े इस क्षेत्र में सदियों से गांव गांव में नवधा रामायण का आयोजन किया जाता रहा है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर...

ताबड़तोड़ कार्रवाईः सड़क पर कारोबार, अनिल कबाड़ी से निगम ने दो ट्राली कबाड़ जब्त किया

बिलासपुर (ए)। सड़क पर कबाड़ का कारोबार करने वाली अनिल कबाड़ी से निगम ने दो ट्राली कबाड़ जब्त किया है। इसके अलावा निगम ने नेहरू चौक से पोस्ट ऑफिस, देवकीनंदन चौक होते हुए राघवेंद्र हाल तक कार्रवाई करते हुए यातायात बाधित करने वाले सड़क पर रखे सामानों को जब्त किया।

आयुक्त कुणाल दुदावत के आदेश पर निगम के अतिक्रमण शाखा की टीम ने मंगलवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। नेहरू चौक से पोस्ट ऑफिस, देवकीनंदन चौक होते हुए राघवेंद्र हाल तक ठेले, गुमटी, कुर्सी-टेबल समेत अन्य ऐसे सामान जो सड़क रखे थे, जिससे यातायात बाधित हो रहा था, उसे जब्त किया गया।

इसके बाद अतिक्रमण टीम पुराने बस स्टैंड स्थित अनिल कबाड़ी के दुकान पहुंची। यहां सड़क पर ही कबाड़ का कारोबार किया जा रहा था। निगम ने सड़क पर रखे दो ट्राली कबाड़ को जब्त किया और अनिल कबाड़ी को सड़क पर कारोबार नहीं करने की चेतावनी दी गई। अतिक्रमण शाखा की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है, इसके बाद भी कारोबारी सड़क पर सामान फैलाकर कारोबार कर रहे हैं। इसके चलते सड़कों पर जाम लग रहा है और यातायात बाधित हो रहा है। अधिकांश जगहों पर ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है।

एसईसीएल कर्मचारी की धारदार हथियार से हत्या

पत्नी बोली- देर रात दोस्त आए और मर्डर करके चले गए, कमरे में छिपकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के ऊर्जा नगर क्वार्टर नंबर - 7 में SECL कर्मचारी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। मंगलवार रात करीब 2 बजे वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक जगजीवन रात्रे (36 वर्ष) SECL गेवरा में कैटेगरी-1 में पदस्थ था। मामला दीपका थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 2 बजे कुछ लोग जगजीवन रात्रे के घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाने लगे। आवाज सुनकर युवक ने दरवाजा खोला, उन्हें घर के अंदर बैठाया और पानी मांगने पर किचन में पानी लाने भी गया। पत्नी ने पूछा कि इतनी रात में कौन लोग उनके घर आए हैं, तब उसने पत्नी को उन्हें अपना दोस्त बताया। इधर जगजीवन अपने साथियों को देने के लिए पानी की बोतल ले ही रहा था कि युवक किचन में घुस आए और धारदार हथियार से हमला कर जगजीवन रात्रे को मौत के घाट उतार दिया।

पति की हत्या होता देख घबराई पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर बेडरूम में भाग गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इधर हत्या को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। काफी देर के बाद डरी-सहमी पत्नी बाहर निकली, तो पति की लहूलुहान लाश उसे दिखाई दी। पति के मोबाइल से घटना की सूचना उसने दीपका थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। खून से लथपथ लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया है। मौके पर डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौजूद है। घटना के वक्त घर में मौजूद पत्नी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने कहा कि घरवालों के अलावा आसपास के लोगों के भी बयान लिए जा रहे हैं। आरोपियों की तलाश के लिए मुखबिरों को भी एक्टिव कर दिया गया है।

पुलिस ने कहा कि आपसी रंजिश, कर्ज समेत हत्या की अन्य वजहों पर जांच की जा रही है। मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जाएगी, ताकि पता चल सके कि उसकी आखिरी बार किन लोगों से बात हुई। किन-किन लोगों के संपर्क में वो था, ताकि आरोपियों का कोई सुराग लग सके। इधर हत्याकांड के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई है।

पुलिस ने कहा कि पत्नी ने पूछताछ में ये बताया है कि आरोपी एक से ज्यादा की संख्या में थे और मंगलवार देर रात 2 बजे उनके घर में आए थे। उन्होंने उसके पति की हत्या की और इसके बाद फरार हो गए। पुलिस ने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पति से हुआ विवाद तो कर दी हत्या

सोए पति को कुल्हाड़ी से काट डाला, आरोपी महिला गिरफ्तार

कोंडागांव (ए)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि, दोनों के बीच किसी मामले को लेकर मामूली विवाद हुआ था। कुछ देर तक हुई बहस के बाद मामला शांत हो गया था। लेकिन पत्नी काफी खफा थी। फिर अपने कमरे में सो रहे पति की सुबह साढ़े चार बजे कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद मौके से फरार हो गई थी। हालांकि, अब पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कोंडागांव सिटी कोतवाली का है।

जानकारी के मुताबिक, इलाके के रहने वाले सुकरूदास सूर्यवंशी ने तीन शादी की थी। पहली पत्नी के निधन के बाद दूसरी और दूसरी के रहते हुए तीसरा विवाह किया था। इनमें से दूसरी पत्नी अलग रहती थी। सुकरूदास अपनी तीसरी पत्नी जगबती सूर्यवंशी और बेटे के साथ रहता था। हत्या वाली रात 21 मई को अपनी दोनों पत्नियों के साथ कोंडागांव के टेमरूपरा में एक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में गया हुआ था। रात करीब 11 से 12 बजे के बीच सभी घर लौट आए। उनका बेटा अमृतदास भी अपने कमरे में जाकर सो गया था।

रात में दोनों के बीच हुआ था विवाद

रात में सुकरूदास और उसकी पत्नी जगबती के बीच कुछ विवाद हुआ। हालांकि, कुछ देर तक बहस होने के बाद मामला शांत हो गया था। लेकिन, किसी बात को लेकर जगबती अपने पति से खफा थी। इसलिए सुबह करीब साढ़े चार बजे जब पति गहरी नींद में थे तब जगबती कमरे से बाहर निकली। फिर सबसे पहले अपने बेटे के कमरे को बाहर से बंद कर दी। जिसके बाद घर में रखी कुल्हाड़ी लेकर अपने पति के कमरे में आई। फिर कुल्हाड़ी से एकाएक पति पर वार कर दिया।

पड़ोस में रहने वाले चाचा पहुंचे घर

सुकरूदास की चीखने की आवाज सुनकर बेटा उठा। उसने कमरे से बाहर आने की कोशिश की लेकिन गेट बाहर से बंद था। इसी बीच उसने अपने पड़ोस में रहने वाले चाचा को फोन कर बुलाया। हालांकि, तब तक जगबती पति पर हमला कर फरार हो गई थी। जब युवक के चाचा घर पहुंचे तो उन्होंने युवक के कमरे का दरवाजा खोला। जिसके बाद दोनों सुकरूदास के कमरे में गए। जहां वह खून से लथपथ अवस्था में बेड में पड़ा हुआ था। जिसे अस्पताल लेकर गए। उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं बेटे ने मामले की शिकायत पुलिस थाना में दर्ज करवाई। पुलिस जांच में जुटी। जिसके बाद पुलिस को पता चला की जगबती दो दिन से इलाके के जंगल में छिपी हुई है। फिर पुलिस ने उसे ढूंढना शुरू किया। जंगल में एक ठिकाने से उसे पकड़ लिया गया। पुछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल लिया।

जंगल में घूमने के बहाने पहुंचे थे, बकरी चोरी कर कार से भाग रहे थे 3 बदमाश, ग्रामीणों ने पीछाकर पकड़ा

जशपुरनगर (ए)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बछरांव में बकरी चोरी का मामला सामने आया है। जहां ग्रामीणों की सजगता से आरोपियों को पकड़ लिया गया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। नारायणपुर थाना प्रभारी जीआर कुर्रे ने प्रार्थी आनंद मिंज अपनी बकरियों को घर के बाहर रखे हुए थे। दोपहर करीब एक बजे आरोपी कार से जंगल घूमने के बहाने गांव में पहुंचे। जहां आरोपी घर के बाहर बैठी बकरियों को हांकते हुए जंगल की तरफ ले गए। इसी दौरान गांव की एक महिला अपने गाय को लाने के लिए जंगल में गई थी। इस दौरान आरोपी तीन बकरियों को कार में लेकर भाग रहे थे। महिला ने तत्काल गांव पहुंचकर इसकी जानकारी ग्रामीणों व बकरी मालिक को दी।

क्षेत्र में बढ़ रही बकरी चोरी की घटनाएं, ग्रामीण परेशान

जशपुर जिले के जंगल क्षेत्रों में बसे गांवों में लगातार बकरी चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इससे ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीण अपना काम छोड़कर बकरी की रखवाली कर रहे हैं। बीते दिनों क्षेत्र के एक गांव में दो चोर ने घर में बंधे बकरी को चोरी कर फरार हो गए थे। वहीं, आवाज न करें, इसलिए मेमने के मुंह को कपड़े से बांध दिया था। मालिक के घर पहुंचने पर बकरियां गायब थी। इसी तरह जंगल इलाके के ज्यादातर गांवों में बकरी चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे ग्रामीण परेशान हैं।

ग्रामीणों ने मोटरसाइकिल लेकर जंगल की ओर भाग रहे कार का पीछा किया। ग्रामीणों ने कार को घेर लिया। ग्रामीणों ने तीनों आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी अशोक पिता कमला प्रसाद(37) निवासी देवरी, संजू पिता लवंग साय (25) और योगेश पिता विक्रम बादी (24) निवासी देवरी के खिलाफ नारायणपुर थाना में धारा 379, (34) के तहत कार्रवाई की गई है।

जुए में बढ़ गया कर्ज तो युवक ने की खुदकुशी

फांसी लगाने से पहले छोड़ा सुसाइडल नोट, लिखा दो लोगो का नाम

भिलाई (ए)। भिलाई में जुआ खेलने के आदी युवक ने कर्ज अधिक हो जाने के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने से पहले उसने एक सुसाइडल नोट छोड़ा है। उसमें उसने उन दो लोगों का नाम लिखा है, जो कर्ज को लेकर उसके ऊपर दबाव बना रहे थे। पुरानी भिलाई पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुरानी भिलाई थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि भिलाई तीन नगर निगम के वार्ड 40 गनियारी निवासी यशवंत अशोक साहू (50 वर्ष) ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम घटनास्थल भेजा गया। जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइडल नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उसने रायपुर के रहने वाले संदीप जैन और पप्पू नाम के युवको का नाम लिखा हुआ है। पुलिस के मुताबिक यशवंत साहू आदतन जुआरी था। उसने संदीप और पप्पू से कर्ज लिया था, जिसे जुआ में हार गया था। उस कर्ज को लेने के लिए वो दोनों उसके ऊपर दबाव बना रहे थे। अधिक दबाव डालने पर उसने सुसाइड नोट छोड़कर खुदकुशी कर ली।

तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

यशवंत साहू के तीन बेटियां है। उनके सिर से पिता का साया उठ गया है। बेटियों ने पुलिस को बताया कि यशवंत रोज सुबह जाता था। मंगलवार को काफी देर से उठने पर उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो उसने दरवाजा नहीं खोला। इसके कुछ देर बाद फिर उन लोगों ने दरवाजा खटखटाकर आवाज दी। जब वो नहीं उठा तो उन्होंने कमरे के अंदर झांक कर देखा तो यशवंत फांसी पर लटका हुआ था।

निगम कर्मी ने लगाई फांसी

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में एक और खुदकुशी का मामला सामने आया है। यहां उमदा भिलाई तीन निवासी हेमलाल देवांगन ने (56 वर्ष) अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। हेमलाल देवांगन नगर पालिक निगम भिलाई तीन चरोदा में राशन कार्ड विभाग में कार्यरत था। उसके दो बेटे हैं। पुलिस को यहां से भी एक एक सुसाइडल नोट मिला है। उसमें उसने शारीरिक परेशानी के कारण आत्महत्या करना लिखा है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक- 3179/NIT-4/2023-2024/ व ले नि दिनांक : 19/05/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 30/05/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 06/06/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 07/06/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में)
1	2	3
4 T0049	जिला बेमेतरा में पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला भवन का शेष निर्माण कार्य	20.00 15000.00
4 T0050	देवकर, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 1	20.00 15000.00
4 T0051	भिंभौरी, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 1	20.00 15000.00
4 T0052	नांदघाट जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 1	20.00 15000.00
4 T0053	देवकर, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 2	20.00 15000.00
4 T0054	देवकर, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 3	20.00 15000.00
4 T0055	भिंभौरी, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 2	20.00 15000.00
4 T0056	भिंभौरी, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 3	20.00 15000.00
4 T0057	नांदघाट जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 2	20.00 15000.00
4 T0058	नांदघाट, जिला बेमेतरा में तहसील कार्यालय भवन का निर्माण पार्ट 3	20.00 15000.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-01559/6

कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, तलवार लेकर पहुंची महिलाएं

पुलिस के सामने ही लाठी-डंडों से हमला, दुकान और कार में की तोड़फोड़

भिलाई (ए)। छत्तीसगढ़ के भिलाई टाउनशिप एरिया में दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। पुलिस के सामने महिलाएं और पुरुष लाठी और तलवार लेकर पहुंचे। उन्होंने दूसरे पक्ष के लोगों को बुरी तरह मारा। उसकी दुकान और कार में जमकर तोड़फोड़ की। घटना का वीडियो वायरल हुआ तो चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

मामला सेक्टर 10 शॉप नम्बर 109 का है। यहां रहने वाले बीएसपी कर्मी ब्रिज कुमार सिंह ने पुलिस में शिकायत की है कि 20 मई को उनका बेटा शिवांशु सिंह अपनी कार धोने के लिए घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान उनके पड़ोस में रहने वाले दिलीप रजक और उसकी बेटी आए। वे उसके बेटे से झगड़ा करने लगे।

दिलीप ने वहां सुरेंद्र रजक, राजू रजक, अमन रजक को बुला लिया। उन लोगों ने मिलकर शिवांशु को लाठी, डंडा से बुरी तरह मारा पीटा। जब वो लोग शिवांशु को मार रहे तो उसे बचाने के लिए उनके परिचित उमेश त्रिपाठी बीच में दौड़े। इस पर आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। इसमें उमेश त्रिपाठी और शिवांशु को गंभीर चोटें आईं। इतना ही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन उसके बाद भी आरोपी तोड़फोड़ करते रहे। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करना भी जरूरी नहीं समझा। जब इसका वीडियो वायरल हुआ तो अब पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

हाथों में तलवार लेकर पहुंचे

जो वीडियो वायरल हो रहा है। उसे देखकर साफ पता चलता है कि मामला कितना गंभीर था। आरोपी पक्ष की ओर से महिलाएं और युवक तलवार और डंडा, लाठी लेकर पहुंचे थे। उन लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों को काफी बुरी तरह मारा पीटा, उनकी पूरी दुकान को तोड़ दिया। इसके बाद सामने खड़ी कार में भी बुरी तरह तोड़फोड़ की।

पीड़ित करेगा एसपी से शिकायत

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों को पुलिस का खौफ नहीं था। वो लोग खुलेआम हथियार लेकर मारपीट कर रहे थे। पुलिस के आने पर भी वो नहीं रुके। इतना बड़ा मामला होने के बाद भी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया। सिर्फ मामला दर्ज करके चुप बैठी है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि वो इसकी शिकायत एसपी दुर्ग और सीएसपी भिलाई नगर से करेंगे।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

श्री गुरू संघ आश्रम द्वारा किया गया शरबत वितरण

भिलाई। सेक्टर 6 स्थित श्री गुरू संघ आश्रम द्वारा दिनांक 20 मई को शरबत वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष शरबत वितरण सहित विभिन्न प्रकार के समाज सेवा के कार्य किये जाते है। श्री गुरू संघ के संस्थापक आचार्य दुर्गा प्रसंन्न परमहंस देव जी के पुण्य स्मृति में समाज सेवामूलक कार्य किये जाते है। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

किराएदारी में निवासरत तथा व्यवस्थापन वाले हितग्राहियों को आवास प्रदान करने के लिए निकाली जाएगी लॉटरी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी मोर मकान, मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत केनाल रोड एवं अन्य विकास कार्यों से प्रभावित हितग्राही जिन्हें बेदखली व्यवस्थापन हेतु सूचना पत्र जारी किया जा चुका है। इनमें से पात्र हितग्राहियों को जिन्होंने अंशदान की राशि जमा कर दी है आवास आवंटित किया जाना है। कुल पात्र हितग्राही 689 में से 218 हितग्राहियों द्वारा मोर जमीन मोर आस के तहत राशि जमा कर दी गई है तथा मोर जमीन मोर चिन्हारी के 17 हितग्राही है। जिन पात्र हितग्राहियों ने अंशदान की राशि जमा की है उन्हें लॉटरी में शामिल किया जाएगा। दिनांक 24 मई 2023 दिन बुधवार को प्रात: 11:00 बजे आवास आबंटन के लिए लॉटरी निकाली जाएगी। आवास प्रभारी विद्याधर ने बताया लॉटरी का स्थल नगर पालिक निगम भिलाई मुख्य कार्यालय सुपेला में रहेगा। लॉटरी में शामिल होने के लिए हितग्राही अपना अंशदान जमा राशि रसीद की मूल प्रति, मूल आधार कार्ड, आवेदन पत्र की पावती तथा लॉटरी में शामिल होने हेतु जारी सूचना पत्र के साथ निर्धारित स्थल एवं समय में स्वयं उपस्थित रहेंगे। दिव्यांग एवं वरिष्ठ जनों को उनके दस्तावेज परीक्षण के आधार पर भूतल का आवास आबंटन किया जाएगा।

बीएसपी सीएसआर द्वारा पतोरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा आदर्श इस्पात ग्राम पतोरा में दिनांक 23 मई, 2023 को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त नि:षुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में कुल 26 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 16 पुरूष, 09 महिलाएं तथा 01 बच्चा शामिल था। ग्राम पंचायत भवन में ही शिविर का आयोजन किया गया। आदर्श इस्पात ग्राम पतोरा में आयोजित चिकित्सा शिविर में ग्राम सरपंच श्रीमती अंजिता गोपेश एवं सीएसआर मेडिकल टीम की ओर से डॉ ईशा कुजूर, बीपी व शुगर परीक्षण हेतु श्रीमती रेखा देव, फॉर्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, पंजीकरण हेतु शंभू और विभागीय प्रतिनिधि व सीएसआर सहायक ए के सोनी उपस्थित थे। इस शिविर में सामान्य जांच के साथ मुफ्त दवा का वितरण भी किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नि:षुल्क स्वास्थ्य परीक्षण षिविर का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। बीएसपी द्वारा आयोजित चिकित्सा षिविर का उद्देष्य गांव के अंतिम व्यक्ति तक चिकित्सा का लाभ पहुंचाना है।

विधायक देवेंद्र यादव ने किया वार्ड 49 सुभाष नगर खुर्सीपार में भेंट मुलाकात

जमीन पर बैठकर विधायक ने किया भोजन, आम नागरिक के घर में चखा रोटी और चौलाई भाजी का स्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई जोन 4 क्षेत्र के वार्ड 49 सुभाष नगर न्यू खुर्सीपार में भेंट मुलाकात कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र यादव ने वार्ड का दौरा किया और लोगों से भेंट मुलाकात की। भेंट मुलाकात के दौरान कल रात हो गया था,वे वार्ड में ही लोगों से मिल रहे थे। तभी एक परिवार ने विधायक श्री यादव से अपने घर में पूरे परिवार के साथ बैठकर भोजन के लिए आग्रह किया।

वे इतने प्रेम, आदर भाव और सम्मान भोजन के लिए कहा कि विधायक उन्हें मना नहीं कर पाए। एक सामान्य आम नागरिक के आग्रह पर उ के परिवार के साथ जमीन पर बैठकर विधायक श्री यादव ने बड़े ही और हर्ष से भोजन किया। घर मे रोटी और चौलाई भाजी की सब्जी बनी थी। विधायक श्री यादव ने भी चौलाई भाजी और रोटा का स्वाद चखा। विधायक श्री यादव ने पूरे परिवार का दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा इतना अपना पन, इतना प्रेम उन्होंने जो दिया है। माता के हाथ की रोटी और सब्जी में इतना प्यार और आशीर्वाद है। इस भोजन को ग्रहण कर वे धन्य हो गए। उन्होंने कहा कि इस प्रेम और सम्मान का वे कभी कर्ज चुका नहीं पाएंगे। परिजनों ने विधायक से कहा कि आप का सौम्य,सुंदर, निर्मल व्यक्तित्व हम सब का दिल जीत लिया। जमीन पर बैठक कर बड़े प्यास से भोजन किये। एक आम नागरिक की तरह उनका व्यवहार, विधायक होते हुए भी को घमंड नहीं,सब से विनम्रता से पेश आना, सब की मदद करना। बड़ी बात है। भेंट मुलाकात के दौरान लोगों से मिले उनका हालचाल जाना वरिष्ठ नागरिकों से आशीर्वाद लिए। वार्ड युवाओं को गले लगाया।

वार्ड भ्रमण के दौरान वे माँ काली के मंदिर पहुंचे। दर्शन किए सभी की खुशहाली की कामना की। इस दौरान वार्ड में बैठक भी आयोजित की गई। जिसमें वार्ड के युवा महिला व वरिष्ठ नागरिक जनप्रतिनिधि सभी उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक यादव वाक्य स्कूली छात्र छात्राओं से भी मिले उनसे पढ़ाई के बारे में चर्चा की और स्कूलों में सुविधाओं की जानकारी ली सभी आत्मा निजी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं ने विधायक देवेंद्र यादव को बताया कि उनके स्कूल में बहुत अच्छी पढ़ाई होती है पूरे स्कूल में अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाया जाता है शहर मैडम भी बहुत अच्छे हैं स्कूल में भी काफी सुविधाएं और डेवलपमेंट किए गए हैं।

सभी से विधायक शहर और वार्ड के विकास पर चर्चा की। । वार्ड के कुछ नागरिकों ने बैठक में कुछ छोटी-मोटी समस्याएं व मांग भी रखी। तब विधायक देवेंद्र यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्याओं का तत्काल निराकरण करे।

विधायक देवेंद्र यादव के साथ लोगों ने की विकास पर चर्चा

जनहितकारी पट्टा योजना का लाभ दिलाने की मांग की तो कुछ लोगों ने की। पेंशन नहीं मिले व कुछ लोगों ने राशन कार्ड जैसी योजनाओं के लाभ के लिए लोगों ने उनका आभार जताया। तब विधायक ने उन्हें कहा कि सभी को शासकीय योजनाओं का मिलना चाहिए। वार्ड में जो भी समस्या हो उससे उन्हें अवगत करवाते रहे। उनकी समस्याओं का वे जल्द निराकरण करेंगे। भेंट मुलाकात के दौरान वार्ड के नागरिको ने भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव का दिल से आभार जताया और कहां की बीते कई सालों से वे गंदगी और सीवरेज लाइन की समस्या से जूझ रहे थे। वर्षों से सीवरेज लाइन जाम था। कीचड़ और गंदगी की बदबू से सब परेशान थे, लेकिन अब यह समस्या भी पूर्ण रूप से धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

कलेक्टर की राजस्व विभाग की सतत् मॉनिटरिंग से मिल रहे बेहतर परिणाम

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद कुमार मीणा द्वारा राजस्व विभाग की लगातार बैठक ली जा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम विभाग में देखने को मिल रहे हैं। आज की बैठक में न्यायालय नायाब तहसीलदार धमधा 01 द्वारा सीमांकन के लिए दर्ज सभी आवेदनों को निराकृत कर शत प्रतिशत परिणाम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही न्यायालय तहसीलदार नजूल दुर्ग में दर्ज 21 आवेदनों में से 20 निराकृत पाए गए और इसकी सफ्लता का प्रतिशत भी 95 प्रतिशत से ऊपर है। जो कि राजस्व प्रकरणों के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा लिए जा रहे सकारात्मक कदम को प्रदर्शित करता है। इसके साथ ही राजस्व विभाग के कार्यालयीन कार्यों में और तेजी आए इसके लिए कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को क्लर्क और कम्प्यूटर ऑपरेटरों को लोकल स्तर पर ट्रेनिंग मुहैया कराने के लिए कहा ताकि वर्तमान में चल रहे ऑनलाईन सिस्टम से क्लर्क और ऑपरेटर भली-भांति परिचित हो सके।

नगर के विकास और निर्माण के लिए चल रहे कार्य पर कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा आज ली गई अर्बन की बैठक में नगर के विकास और निर्माण के लिए किए जा रहे योजनाबद्ध चरण पर चर्चा की गई। जिसमें चारों नगरीय निकाय के डेवलपमेंट के संबंध में उपस्थित संबंधित अधिकारी से कलेक्टर द्वारा जानकारी मांगी गई। बैठक में नगर पालिका निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त श्री अजय त्रिपाठी द्वारा नगरी निकाय में विकास के लिए किये जा रहे रोड मैप का प्रस्तुत किया गया।

जिसके अंतर्गत आदर्श व्यवसायिक परिसर हेतु चिन्हित मार्केट निहारिका (सिरसा चौक के पास), भिलाई 03 मार्केट (वार्ड क्रमांक 16 पुरानी भिलाई बाजार चौक के पास) व (चरोदा मार्केटलाइन जीई रोड के किनारे) में चल रहे डेवलपमेंट के संबंध में आयुक्त द्वारा जानकारी मुहैया कराई गई। आयुक्त ने कलेक्टर को बताया कि उक्त चिन्हित सभी क्षेत्रों में यातायात का अत्याधिक भार है। इसलिए इन क्षेत्रों के निकटतम स्थल पर पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किए गए हैं। इसके साथ ही मार्केट प्लेस होने के कारण यहां सीसीटीवी, पेयजल, शौचालय, स्टॉर्म वाटर ड्रेन, स्ट्रीट लाईट, प्लांटेशन इत्यादि बुनियादी चीजों पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रस्तावित वेंडिंग जोन संबंधित कार्यों को भी युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। ताकि मार्केट को सुनियोजित तरीके से स्थापित कर सड़क में लगने वाले अव्यवस्थित गुमटियों को व्यवस्थित और गुमटियों में कार्य कर रहे दुकानदारों को स्थाई विकल्प दिया जा सके। निहारिका परिसर (सिरसा चौक के समीप)- निहारिका परिसर क्षेत्र में यातायात का भार अधिक होने के कारण परिसर के निकटतम खाली स्थल में तीन जगह पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किया गया है, इसके साथ ही वेंडिंग जोन, प्लांटेशन, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी, स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, स्ट्रीट लाइट इत्यादि का कार्य सतत मॉनिटरिंग के साथ कराया जा रहा है। जी.ई रोड व सर्विस लेन के किनारे का पार्किंग कार्य पूर्ण है। इसके अलावा अन्य कार्य योजनाओं पर सतत् मॉनिटरिंग के साथ कार्य कराया जा रहा है।

सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक का बहिष्कार करने भिलाई निगम ने निकाला जागरूकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख मार्केट क्षेत्र जवाहर मार्केट, सर्कुलर मार्केट तथा पावर हाउस सब्जी मंडी क्षेत्रों में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के बहिष्कार को लेकर जन जागरूकता रैली भिलाई निगम के कर्मचारियों तथा आम नागरिकों के द्वारा निकाली गई। इस दौरान बताया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक कैसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। मार्केट क्षेत्रों एवं आम नागरिकों से अपील किया गया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय न करें। घरों से सब्जी एवं अन्य सामग्री लेने निकलने पर हमेशा अपने साथ कपड़े से बना थैला आदि लेकर निकले। बावजूद इसके यदि विक्रेताओं के द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक का विक्रय किया जाता है तो उनके ऊपर जुर्माना की कार्यवाही निगम के द्वारा की जाएगी। कार्यवाही के चलते अब मार्केट क्षेत्रों में प्रतिबंधित प्लास्टिक नजर नहीं आने लगा है। लोगों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और वह प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं कर रहे हैं। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने भी आम नागरिकों से प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल उस प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की है। सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग एक बार करने के बाद इसका दोबारा उपयोग नहीं किया जा सकता है, झिल्ली, पन्नी आदि सार्वजनिक स्थानों में बिखरकर गंदगी फैलाते हैं, पशु भी अनजाने में इसका सेवन कर लेते हैं और बीमारियों से ग्रसित होते हैं। आसानी से और सस्ते दाम में मिल जाने के फेर में लोग इसका उपयोग जरूर करते हैं परंतु पर्यावरण को यह सबसे बड़ा नुकसान पहुंचाता है। इन्हीं सभी उद्देश्यों को बताते हुए नगर पालिक निगम भिलाई लोगों को प्रतिबंधित प्लास्टिक और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने को लेकर जागरूक कर रहा है। जागरूकता रैली निकालने के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी आरपी तिवारी, पीआईयू शुभम पाटनी, जोन के सुपरवाइजर तथा आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमण्डल ने निगम आयुक्त से भेंटकर नियमितिकरण के संबंध में की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, भिलाई इकाई के प्रतिनिधिमण्डल ने निगम आयुक्त से भेंटकर उनसे नियमितिकरण के संबंध में चर्चा की। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में चेम्बर प्रतिनिधिमण्डल ने सभी व्यापारियों द्वारा नियमितिकरण के लिए जमा किये गये दस्तावेजों की पावती निगम आयुक्त को सौंपकर उनसे इस महत्वपूर्ण कार्य को जल्द पूर्ण कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि व्यापारी साथी निगम की इस पहल की सराहना करता है और नियमितिकरण की प्रक्रिया के लिए पूरी तरह से तैयार है। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने जानकारी देते हुए बताया कि भिलाई निगम द्वारा सभी बाजारों में नियमितिकरण के लिए शिविर लगाये गये थे जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारी साथियों ने लाभ उठाते हुए अपने- अपने दस्तावेज जमा किये हैं। इस संबंध में चेम्बर प्रतिनिधिमण्डल ने निगम आयुक्त से भेंटकर उन्हें जोन -3 के अंतर्गत पावर हाउस के व्यापारियों की पावती सौंपी है और इस कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि व्यापारी साथी नियमितिकरण के तय राशि का भुगतान करने के लिए तैयार हैं, इसलिए शीघ्रता शीघ्र इस कार्य को पूरा किया जाये। इस कार्य के जल्द पूरे होने से बचे हुए व्यापारियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा और वे भी नियमितिकरण कराने के लिए आगे आयेंगे।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने बताया कि नियमितिकरण की प्रक्रिया के तहत व्यापारियों द्वारा अपने सारे दस्तावेज निगम द्वारा आयोजित शिविर के माध्यम से जमा किये जा चुके हैं। अब इस संबंध में हमने निगम आयुक्त से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग की है जिसमें निगम द्वारा स्थल का अवलोकन कर इसे टाउन एण्ड कंट्री विभाग को स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा, जिसके पश्चात राशि भुगतान के लिए चालान पेश किया जायेगा। इस राशि के भुगतान की पावती निगम में जमा करने के बाद व्यापारियों को नियमितिकरण का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। श्री मिश्र ने कहा कि यह प्रक्रिया जितनी जल्दी पूरी होगी उतना ही अधिक व्यापारियों और निगम के मध्य सामंजस्य स्थापित होगा। प्रक्रिया की गति धीमी होने की वजह से कई व्यापारी अब भी इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। इस प्रक्रिया की धीमी गति की वजह से व्यापारियों को लीज नवीनीकरण व फ्री होल्ड के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चेम्बर प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से सुधाकर शुक्ला, लक्ष्मण आयलानी, शंकर सचदेव, सुनील मिश्रा, विनय सिंह, मनोहर कृष्णानी, शिवराज शर्मा, पवन अग्रवाल, प्रेमरतन गहलोत,चिन्ना राव, राजकुमार जायसवाल, प्रेम रतन गहलोत, सतीश बाघमार, रितेश अग्रवाल, अखराज ओसवाल, भूषण अद्लखा, राजीव गुप्ता सौरभ सिंह, विशाल छाबड़ा, सरमद इमाम आदि उपस्थित थे।

नेहरू आर्ट गैलरी में श्रीमती इंदु चटर्जी द्वारा निर्मित पेंटिंग्स की प्रदर्शनी का उद्घाटन कल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर सेवाएं विभाग के सहयोग से सिविक सेंटर, इंदिरा प्लेस में स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत नेहरू आर्ट गैलरी में श्रीमती इंदु चटर्जी द्वारा निर्मित पेटिंग्स की एकल प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जायेगा। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 25 मई 2023 को संध्याकाल मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक एवं अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय द्वारा किया जाना है।

श्रीमती इंदु चटर्जी विगत 20 वर्षों से विभिन्न सामाजिक कार्यों से जुडी इशमा संस्था की संस्थापक हैं। इन्होंने बैंक से सेवा सेवानिवृत्ति के बाद अपने शौक को पूरा करने हेतु चित्रकला को फिर से अपनाया। इनकी एकल चित्रकला प्रदर्शनी, स्थानीय विमानतल में 4 से 5 बार की गई। श्रीमती चटर्जी ने बताया कि कलाप्रेमियों द्वारा दी गई प्रतिक्रियाएं उन्हें बेहद प्रोत्साहित करती है।

गौरतलब है कि विश्व की सबसे बड़ी रंगोली में श्रीमती इंदु चटर्जी का नाम लिम्का बुक में भी दर्ज है। इन्होंने सेंट्रल जेल के महिला प्रकोष्ठ में महिलाओं की काउंसलिंग करने के साथ विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण भी दिया। स्थानीय रायपुर रेलवे स्टेशन के बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए काम किया। श्रीमती चटर्जी छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग रायपुर के तत्वाधान में महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त (2010) एवं माननीय मुख्य मंत्री रमन सिंह (2010) द्वारा सम्मानित हो चुकीं हैं। यह तीन दिवसीय इस चित्रकला प्रदर्शनी 25 से 27 मई 2023 तक प्रतिदिन संध्या 5.30 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आम जनता के दर्शनार्थ खुली रहेगी।

अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए शीघ्र करे आवेदन

नियमितीकरण आवेदन करने के लिए आसान है प्रक्रिया देखें पूरी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नियमों के विपरीत निर्माण करने वाले लोगों के लिए नियमितीकरण कराने का सुनहरा अवसर उन्हें मिल रहा है, इसलिए आवेदन करने में विलंब न करें शीघ्र ही नियमितीकरण के लिए आवेदन कर नियमितीकरण करा लें, क्योंकि निर्धारित तिथि के अनुसार नियमितीकरण कराने के लिए कुछ ही समय शेष है। निगम में आवेदन करने वाले ज्यादातर लोगों का नियमितीकरण हो चुका है।

भवन अनुज्ञा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक आवासीय व गैर आवासीय मिलाकर जिन्होंने नियमितीकरण के लिए अपना आवेदन निगम में जमा कर दिया है, उनमें से अधिकतर लोगों के नियमितीकरण हो चुके हैं, क्योंकि इसकी प्रक्रिया को भिलाई निगम द्वारा शीघ्रता से अपनाया जा रहा है। इन अनाधिकृत विकास का करा सकते है नियमितीकरण यदि किसी ने बिना बिल्डिंग परमिशन लिए निर्माण किया हो, बिल्डिंग परमिशन प्राप्त करके स्वरूप में परिवर्तन किया हो या फिर प्रदाय किए गए भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण कर लिया हो तो इसका नियमितीकरण कराया जा सकता है।

इसके लिए भिलाई निगम में वास्तुविद के माध्यम से आवेदन करना होगा। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। आर्किटेक्ट की सूची समस्त जोन कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय में भी चस्पा की गई है तथा भिलाई निगम के वेबसाइट से भी आर्किटेक्ट की सूची प्राप्त की जा सकती है। भूखंड क्षेत्रफल 120 वर्ग मीटर तक के अनाधिकृत आवासीय निर्माण का नियमितीकरण में शास्ती से छूट मिल रही है। कैसे करे नियमितीकरण के लिए आवेदन आवेदन, मानचित्र निगम के पंजीकृत वास्तुविद/इंजीनियर से तैयार कराकर आवेदन करना होगा। आवेदन निर्धारित प्रारूप में चेक लिस्ट के अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई के वेबसाइट www.bhilainagarnigam.com से डाउनलोड किया जा सकता है।

आर्किटेक्ट की सूची भी इस वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। अनाधिकृत निर्माण दिनांक 14 जुलाई 2022 के पूर्व से निर्मित है इस संबंध में साक्ष्य के रूप में भवन का बिजली बिल, प्रॉपर्टी टैक्स जिसमें तारीख अंकित हो जमा करना आवश्यक है, अन्य दस्तावेज आवेदन के प्रारूप एक में चेक लिस्ट के अनुसार संलग्न करके आवेदन करना होगा।

नियमितीकरण कराने के लिए अधिक जानकारी के संबंध में इस नंबर पर करें संपर्क नियमितीकरण करवाने के लिए भवन अनुज्ञा शाखा के उप अभियंता शहबाज अहमद के मोबाइल नंबर 9399414300 पर संपर्क कर सकते हैं तथा नियमितीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

शहर में पेयजल संकट के लिए नगर निगम की पिछली परिषद जिम्मेदार

भूपेश सरकार ने साढ़े 4 साल में दुर्ग शहर में कराए ऐतिहासिक विकास कार्य : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने दुर्ग में जलसंकट के विरोध में 24 मई को भाजपा के नगर निगम के घेराव प्रदर्शन को बेसिर-पैर का प्रदर्शन बताया है। वोरा ने कहा कि दुर्ग में पेयजल संकट को लेकर तमाम अव्यवस्थाओं के लिए खुद भाजपा ही जिम्मेदार है।

20 साल तक नगर निगम की सत्ता में भाजपा काबिज रही और राज्य में 15 साल तक भाजपा का शासनकाल रहा। इसके बावजूद शहर की पानी सप्लाई व्यवस्था नहीं सुधरी। चुनाव सामने देखकर मुद्दाविहीन भाजपा बौखला गई है और इसी बौखलाहट में दुर्ग नगर निगम में आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है।

वोरा ने कहा कि बीते साढ़े चार साल के कांग्रेस शासनकाल में राज्य सरकार ने दुर्ग के विकास के लिए चार सौ करोड़ से अधिक राशि जारी की है। इस राशि से पेयजल संकट सहित नगर विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। शहर के चौमुखी विकास को देखकर भाजपा नेताओं की नींद उड़ गई है। 64 करोड़ की लागत से जीई रोड के उन्नयन सहित गौरवपथ निर्माण, शिवनाथ रिवर फ्रंट योजना, ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट योजना, शहर में करोड़ों रुपए की लागत से जगमग रौशनी बिखेरने सहित शहर का चौमुखी विकास किया जा रहा है। वोरा ने कहा कि पेयजल संकट के स्थायी निवारण के लिए वे स्वयं लगातार प्रयासरत है। कुछ वार्डों में पेयजल समस्या की जानकारी मिलने पर उन्होंने निगम कमिश्नर को तत्काल समस्या का समाधान करने कहा।

निगम की टीम मौके पर जाकर व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रयास कर रही है। वोरा ने कहा कि भाजपा नेता चार साल तक कुंभकर्णी नींद में सोते रहे हैं। उन्होंने जनता की सुध नहीं ली है। आगामी विधानसभा चुनाव में केवल चुनावी लाभ के लिए भाजपा द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। लेकिन, भाजपा का असली चेहरा आम जनता अच्छी तरह देख चुकी है। आम जनता भाजपा के झांसे में नहीं आएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950